शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 51 | गुवाहाटी | मंगलवार, 22 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

जम्मू एवं कश्मीर असेंबली में जबरदस्त हंगामा पेज 2
असम में इसरो की उन्नत रडार अनुसंधान सुविधा के लिए सैकिया ने... पेज 3
राजस्थान के सात नगर निगमों में महापौर का फैसला, भाजपा छह और कांग्रेस... पेज 5
भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के हेटमायर, होप और कामिल से रहना होगा सावधान पेज 7

नगांव में प्रचार के दौरान भाजपा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प

गाड़ियों पर पथराव

नगांव। असम में नगांव लोकसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान सामागुड़ी में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। पुलिस के अनुसार, ये घटना शाम करीब 4 बजे सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र में हुई। बताया जा रहा है कि ये घटना तब हुई जब असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के नेतृत्व में धुबड़ी सांसद रकीबुल हुसैन, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उपचुनाव प्रत्याशी शिबामोनी बोरा के साथ काफिला लारीरमुख जनसभा के लिए निकला था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार भाजपा समर्थक बाराम बाजार में कांग्रेस नेताओं को काले झंडे दिखाने के लिए जमा हुए थे। जब करीब 30 से 40 कांग्रेस कार्यकर्ता मोटरसाइकिल पर वहां से गुजरे तो *गौरव गोगोई गो बैक, कांग्रेस गो बैक* और *रकीबुल गो बैक* के नारे लगाए गए, जिससे तनाव फैल गया। जनसभा खत्म होने के बाद जब कांग्रेस का काफिला उसी रास्ते से वापस लौटा तो संदिग्ध भाजपा समर्थकों ने उनके वाहनों पर जमकर पथराव कर दिया। पुलिस ने बताया कि भाजपा समर्थकों ने कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पिटाई भी की, जिसके बाद मौके पर तैनात सीआरपीएफ के जवानों ने हमलावरों को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता भी लाठियां लेकर मौके पर लौट आए, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पूर्वोत्तर के पहले इसरो अंतरिक्ष रडार हब की रखी आधारशिला

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को गुवाहाटी के पास चंद्रपुर में इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के एडवांस्ड रडार रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखी। यह नॉर्थ-ईस्ट की पहली बड़ी स्पेस सर्विलांस सुविधा होगी। इसरो के टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (इसटार्क) द्वारा बनाया जाने वाला यह सेंटर, प्रोजेक्ट नेत्रा (नेटवर्क फॉर स्पेस ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग एंड एनालिसिस) का हिस्सा है। इसका मकसद स्पेस में मौजूद चीजों को ट्रैक करके, ऑर्बिटल मलबे की निगरानी करके और देश की अहम स्पेस संपत्तियों की सुरक्षा में

मदद करके भारत की स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस (एसएसए) को मजबूत करना है। असम सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए लगभग 70 एकड़ जमीन दी है। प्रोजेक्ट की आधारशिला रखते हुए शर्मा ने कहा कि दो साल पहले, इसरो ने हमें बताया था कि वह असम में कई रडार के साथ एक इसरो सेंटर बनाना चाहता है। इनसे स्पेस में होने वाली घटनाओं और राज्य व देश पर उनके असर का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन करने में मदद मिलेगी। बाढ़, बारिश और दूसरी घटनाओं के बारे में हमें पहले ही जानकारी मिल जाएगी, जिनसे हम -शेष पृष्ठ दो पर

खरगे ने एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल, ईसी से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को त्रुटिपूर्ण बताते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसके प्रभाव लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवाल खड़े कर रहे हैं। खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि कांग्रेस शुरू से ही एसआईआर प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताती रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा की और समय पर पूरा करने का आह्वान किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को गुवाहाटी एम्स और 2,000 सीटों वाले अंतरराष्ट्रीय मानक क्रिकेट स्टेडियम सहित प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कामरूप जिले के चांगसारी स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया और इस प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान की चिकित्सा सेवाओं, बुनियादी ढांचे और विभिन्न चल रही गतिविधियों की समीक्षा की। शर्मा ने संस्था के कामकाज और मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं का जायजा लेने के लिए डॉक्टरों, अधिकारियों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों से बातचीत की। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने एम्स गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक अशोक पुराणिक के साथ रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदमों पर -शेष पृष्ठ दो पर

sfi
SUMAN
FIBRE & INTERIOR
Siddiqui Ali Commercial Complex, S.J. Road, Athgaon
Guwahati-781001
+91-98648-02947

सुप्रभात

कामी पुरुष कोई कार्य नहीं कर सकता।

- आचार्य चाणक्य

गणेश विसर्जन शोभायात्रा

हैदराबाद में 20 हजार पुलिसकर्मी तैनात, मस्जिदों को कपड़े से ढका गया

हैदराबाद (हि.स.)। गणेश विसर्जन शोभायात्रा को दखते हुए हैदराबाद पुलिस और नागरिक प्रशासन ने शहर में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। एहतियाती कदम के तहत शोभायात्रा के प्रमुख मार्गों, विशेषकर चारमीनार, अफजल गंज और पुराने शहर के संवेदनशील इलाकों में स्थित मस्जिदों को बड़े तिरपाल और कपड़े की चादरों से ढका गया है। शोभायात्रा के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए शहर में करीब 20 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बालापुर से टैंक बंड -शेष पृष्ठ दो पर

अंसारी के बयान की भाजपा ने की कड़ी निंदा, कहा-

कांग्रेस बनी *मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस*

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के हाल ही में हिन्दू राष्ट्रवाद को देश के लिए खतरा बताये जाने संबंधी बयान की कड़ी निंदा करते हुए आज कहा कि कांग्रेस अब पूरी तरह *मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस* हो चुकी है। भाजपा के प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस अब अति वामपंथ में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि देश के संवैधानिक पद पर रह चुके व्यक्ति किस प्रकार से अपने अंतर्मन के भावों और कांग्रेस के मनोभावों को अभिव्यक्त करते हैं, इसका एक अत्यंत निंदनीय उदाहरण सामने आया है। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद

अंसारी साहब ने वर्ष 2019 में लिखी गई एक किताब को उद्धत करते हुए कहा कि बकौल नेहरू जी, उनके लिए (देश के समक्ष) कम्युनिज्म उतना बड़ा खतरा नहीं है, जितना हिंदू राष्ट्रवाद। यानी, हामिद अंसारी जी ने स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस पूरी तरह मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस हो चुकी है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि संवैधानिक पद पर रह चुके व्यक्ति द्वारा नेहरू के संदर्भ में कम्युनिज्म और हिंदू राष्ट्रवाद को लेकर की गई टिप्पणी कांग्रेस की वर्तमान विचारधारा पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि वामपंथ एक खतरा था, नेहरू ये मानते थे और नेहरू का संदर्भ वो लेकर आए। ये खुलासा करने के लिए मैं हामिद अंसारी साहब को बधाई देता हूं। और -शेष पृष्ठ दो पर

मुनीर को हूती की खुली धमकी, पाकिस्तानी सेना में मची खलबली

इस्लामाबाद। यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच फिर से शुरू हुए हमलों के कारण तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में इस ग्रुप ने पाकिस्तान और तुर्की को सीधी चेतावनी दी है कि अगर इनमें से कोई भी देश यमन में सऊदी अरब का साथ देते हुए सैन्य दखल देता है, तो उन्हें कड़ा और दर्दनाक जवाब दिया जाएगा। अंसार अल्लाह के पॉलिटिकल ब्यूरो के सदस्य और धमार के गवर्नर, मोहम्मद अल-बुखैती ने इराकी टीवी प्रोग्राम अनदर रीडिंग के साथ एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। अल-बुखैती ने कहा अल्लाह की कसम, अगर तुर्की और पाकिस्तान इसमें शामिल हुए, तो हम उन पर बहुत सख्ती से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर ये दोनों देश यमन के खिलाफ सऊदी अरब की आक्रामकता -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

धुबड़ी के गुमाफेरिघाट में यात्री नाव दुर्घटनाग्रस्त

धुबड़ी (हि.स.)। असम के धुबड़ी जिले के तामारहाट इलाके में गुमाफेरिघाट के पास सोमवार को एक यात्री नाव दुर्घटना का मामला सामने आया। हादसा गंगाधर नदी में हुआ, जिसके बाद नाव पर सवार काफी संख्या में यात्रियों के -शेष पृष्ठ दो पर

सीबीआई ने फरार सीजीएसटी अतिरिक्त आयुक्त को ऋषिकेश से पकड़ा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के मामले में फरार चल रहे सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कांठेती को ऋषिकेश से पकड़ लिया है। वह बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई के समक्ष पेश होने के बजाय फरार हो गए थे। सीबीआई ने उन्हें अब हिरासत में ले लिया है। सीबीआई के मुंबई स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने 26 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम- 1988 की धारा सात के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायत में सीजीएसटी, खांदेश्वर, रायगढ़ के अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा पर शिकायतकर्ता की फर्म से संबंधित कार्रवाई के बदले अवैध रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था। शुरुआत में 1.50 करोड़ रुपए की मांग की गई थी, जिसे बाद में घटाकर 40 लाख रुपए कर दिया गया। सीबीआई ने 27 अगस्त को जाल बिछाया। इस दौरान एक निजी व्यक्ति और कस्टम्स हाउस एजेंट नरेंद्र राजपूत को 40 लाख रुपए की कथित रिश्वत स्वीकार करते हुए पकड़ा गया। सीबीआई के -शेष पृष्ठ दो पर

जितेंद्र मिश्रा ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सीईओ की कमान संभाली

अयोध्या (हि.स.)। एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्रा सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के तौर पर कार्य करने के लिए श्रीराम मंदिर पहुंचे। जहां ट्रस्ट सदस्य मदन मोहन पाण्डेय ने उनका स्वागत किया। ट्रस्ट के नवनियुक्त सीईओ जितेंद्र मिश्र ने आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया। राम मंदिर परिसर, अयोध्या में अब वह नियमित रूप से रहकर मंदिर और मंदिर से जुड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

एनएचएआई ने हाई-स्पीड राष्ट्रीय राजमार्गों पर सर्विस रोड के लिए समान डिजाइन मानकों के नए दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक्सप्रेसवे को छोड़कर हाई-स्पीड एक्सेस कंट्रोल राष्ट्रीय राजमार्गों की योजना और डिजाइन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनका उद्देश्य ऐसे राजमार्गों के लिए एक समान तकनीकी मानक तय करना, सड़क सुरक्षा को मजबूत करना और यातायात संचालन को अधिक सुगम बनाना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, ये दिशानिर्देश सभी आगामी चार और छह लेन के ग्रीनफील्ड तथा ब्राउनफील्ड हाई-स्पीड एक्सेस -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में 11 दिन के अंतराल में डॉक्टर बेटे और पिता की मौत, दहशत में अल्पसंख्यक हिंदू

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में महज 11 दिनों के अंतराल में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से जुड़े एक युवा चिकित्सक और उसके पिता की असामान्य मौत की घटनाओं ने चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया है। सात सितंबर को सिलहट स्थित किराये के मकान से ब्राह्मणबाड़िया मेडिकल कॉलेज के 31 वर्षीय चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती प्रांत का फंदे से लटका शव बरामद हुआ था। इसके 11 दिन बाद मौलवीबाजार में उनके पिता पूर्णेंदु चक्रवर्ती का शव उनके पारिवारिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान के ऊपरी कमरे से बरामद किया गया। पूर्णेंदु चक्रवर्ती का शव मौलवीबाजार शहर के एम. सैफुर रहमान रोड स्थित *भटेर फार्मेसी* की दूसरी मंजिल के एक कमरे से बरामद हुआ। मौलवीबाजार मॉडल थाने के उपनिरीक्षक मनोज कुमार सरकार ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

अब गिरफ्तारी से पहले पुलिस को मानने होंगे पांच नियम, सुप्रीम कोर्ट ने खींच दी रेड लाइन

नई दिल्ली। किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करना पुलिस की बड़ी कानूनी कार्रवाई है, ये तो सभी लोगों को पता है, लेकिन क्या आप इसके नियम जानते हैं? गिरफ्तारी के बारे में तो लोग जानते हैं, पर बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी होती है कि पुलिस को भी इस दौरान नियमों का पालन करना होता है।

अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में नया फैसला सुनाया है। अब पुलिस को गिरफ्तारी के साथ आरोपी को यह बताना भी जरूरी है कि उसे किस आधार पर गिरफ्तार किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस सुरक्षा को और स्पष्ट करते हुए पुलिस के लिए नियम कड़े कर दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी व्यक्ति को गिरफ्तारी की वजह लिखित में बताए बिना गिरफ्तार किया जाता है और इसी वजह से उसकी गिरफ्तारी अवैध घोषित हो जाती है, तो उसी मामले में उसे दोबारा गिरफ्तार करना पुलिस के लिए इतना आसान नहीं होगा। दोबारा गिरफ्तारी से पहले संबंधित मजिस्ट्रेट से अनुमति लेनी होगी। इतना ही नहीं, फैसले में ये भी कहा गया है कि पहली गिरफ्तारी में गलती करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

सोमनाथ मंदिर और भाजपा कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद (हि.स.)। गुजरात के प्रसिद्ध मंदिर और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों, भवनों को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। अज्ञात व्यक्ति ने ई-मेल के माध्यम से धमकी दी है। ई-मेल की शुरुआत *अस्सलामु अलैकुम, अल्लाहु अकबर* लिखकर की गई है। यह ई-मेल सबसे पहले पंजाब पुलिस को मिला था, जिसके बाद पंजाब के पुलिस महानिदेशक ने गुजरात पुलिस को इसकी जानकारी दी। इस धमकी भरे ई-मेल में सोमनाथ मंदिर, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, भाजपा के केंद्रीय कार्यालय, पुलिसकर्मियों और रॉ एजेंसी को निशाना बनाने का उल्लेख किया गया है। ई-मेल में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

जम्मू एवं कश्मीर असेंबली में जबरदस्त हंगामा

विधानसभा अध्यक्ष भी बोल पड़े, गुंडागर्दी नहीं चलेगी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का शरद सत्र शुरू होते ही सदन सियासी टकराव का अखाड़ा बन गया। पहले ही दिन भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने सरकार को घेरते हुए जोरदार नारेबाजी की, सदन के बीचोंबीच पहुंचकर विरोध जताया और रोजगार, बिजली, दैनिक वेतनभोगियों तथा स्वास्थ्य मिशन से जुड़े कर्मचारियों के मुद्दे उठाए। जवाब में सत्तापक्ष ने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा उछाल दिया। शोर-शराबा इतना बढ़ा कि विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर को कड़ी चेतावनी देनी पड़ी, *गुंडागर्दी नहीं चलेगी*। सत्र की शुरुआत दिवंगत पूर्व सदस्यों और मंत्रियों को श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। श्रद्धांजलि की कार्यवाही समाप्त होते ही भाजपा विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा समेत कई सदस्य अपनी सीटों से उठकर विरोध करने लगे और बाद में सदन के बीचोंबीच पहुंच गए। भाजपा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, दैनिक वेतनभोगियों तथा आउटसोर्सिंग के जरिये होने वाली नियुक्तियों को लेकर सरकार से जवाब मांगा। बिजली की बढ़ी दरों और बुनियादी सुविधाओं का सवाल भी जोर-शोर से उठाया गया। भाजपा के इस विरोध के बीच सत्ता पक्ष ने भी मोर्चा संभाल लिया। नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर नारे लगाए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के विधायक एम.वाई. तारिगामी ने कहा कि दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। सत्ता पक्ष का तर्क रहा कि राज्य का दर्जा बहाल होना जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक और संवैधानिक स्थिति से जुड़ा प्रमुख सवाल है। हंगामे के बीच कांग्रेस विधायकों ने भी केंद्र के खिलाफ नारेबाजी की। सदन में एक तरफ उमर सरकार से रोजगार और जनसुविधाओं पर जवाब मांगा जा रहा था तो दूसरी तरफ राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग गूंज रही थी। नतीजा यह हुआ कि प्रश्नकाल गंभीर बहस की बजाय नारेबाजी में उलझ गया और कार्यवाही बाधित होती रही। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष को मुद्दे एक-एक करके उठाने चाहिए। दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला सरकार जनता से जुड़े सवालों से बचने की कोशिश कर रही है। उनका कहना है कि बेरोजगार युवाओं, आउटसोर्स कर्मचारियों और दैनिक वेतनभोगियों की समस्याओं पर सरकार को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सत्र को जनता की समस्याओं, आकांक्षाओं और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा का अवसर बताया। लेकिन पहले ही दिन के घटनाक्रम ने साफ कर दिया कि आने वाले दिनों में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव तेज रह सकता है। रोजगार, बिजली, आरक्षण, आउटसोर्सिंग, कर्मचारियों का नियमितीकरण और राज्य का दर्जा, ये मुद्दे सदन की कार्यवाही की दिशा तय करने वाले हैं। हालांकि पहले ही दिन जिस तरह हंगामे के बीच सदन को दिनभर के लिए स्थगित करना पड़ा जिससे संकेत मिल रहा है कि सत्र के आने वाले दिन भी हंगामेदार रहने वाले हैं।

पीएम मोदी और भजनलाल सरकार के जनहितैषी कार्यों पर जनता ने लगाई मोहर : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नगर निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत पर राज्य की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास कार्यों पर मोहर लगाई है। भाजपा को नगर निगमों के साथ-साथ नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में भी जनता का व्यापक समर्थन मिला है। भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न हुए हैं और इनके परिणामों में प्रदेश की जनता ने भाजपा को व्यापक समर्थन और आशीर्वाद दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की *वन स्टेट, वन इलेक्शन* की अवधारणा से करवाए गए निकाय चुनाव से ना केवल चुनावी खर्च में कमी आई है, बल्कि सरकार को विकास एवं जनकल्याण के लिए पर्याप्त समय भी मिल सकेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि निकाय चुनावों के परिणामों में भाजपा को नगर निगमों में व्यापक सफलता मिली है तथा नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में भी पार्टी को जनता का मजबूत समर्थन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 10 नगर निगम में से आज जारी 7 नगर निगम के परिणामों में 6 में भाजपा को भारी बहुमत प्राप्त हुआ है। इनमें अलवर, भीलवाडा, अजमेर, पाली, उदयपुर, भरतपुर में भाजपा का मेयर बना है। पार्टी ने जो संकल्प पत्र जनता के सामने रखा था, उस पर जनता ने विश्वास जताया है। भाजपा के निर्वाचित प्रतिनिधि जनता की सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित रहेंगे और संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

अलीपुरद्वार मंडल में राजभाषा पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ

कोकराझाड़ (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अलीपुरद्वार मंडल में 21 सितंबर से 5 अक्तूबर, 2026 तक आयोजित होने वाले राजभाषा पखवाड़ा समारोह-2026 का सोमवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। मंडल रेल प्रबंधक देवेंद्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक एस कामेई, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी रत्नेश, राजभाषा अधिकारी चंडी चरण बोड़ो सहित मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग एवं कार्यान्वयन को लेकर अधिकारियों ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। राजभाषा पखवाड़े के दौरान विभिन्न स्टेशनों पर हिंदी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से निबंध, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, भाषण तथा हिंदी क्विज सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

यूपीआई पर एमडीआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

जौनपुर (हिंस)। जौनपुर में यूपीआई के चुनिंदा व्यापारी लेन-देन पर लागू मर्चेंट डिस्काउंट रेट के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम चार सूत्रीय ज्ञापन अपर जिलाधिकारी परमानंद झा को सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने एमडीआर व्यवस्था को जनविरोधी बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे कारोबारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और इसका असर उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि व्यापारियों पर अतिरिक्त शुल्क का बोझ उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से एमडीआर व्यवस्था पर पुनर्विचार कर इसे वापस लेने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को लेकर आगे भी आवाज उठाएगी। हालांकि केंद्र सरकार के अनुसार दो हजार रुपए तक के व्यापारी यूपीआई भुगतान और छोटे व्यापारियों के लिए निर्धारित शून्य-एमडीआर श्रेणी के लेन-देन पर शुल्क नहीं है। सरकार के मुताबिक एमडीआर दो हजार रुपए से अधिक के कुछ व्यापारी लेन-देन पर लागू है और ग्राहक से यह शुल्क नहीं लिया जाएगा।

बांग्लादेश में फिर हिंदू मंदिर निशाने पर, मां काली की मूर्ति समेत सोने-चांदी के सामान चोरी

ढाका। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंता के बीच फरीदपुर शहर के उत्तर कालीबाड़ी मंदिर से मां काली की प्रतिमा समेत कई धार्मिक वस्तुएं चोरी होने का मामला सामने आया है। स्थानीय मीडिया द डेली स्टार के अनुसार चोरी शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे से रविवार सुबह पौने 6 बजे के बीच हुई। मंदिर प्रबंधन के मुताबिक चोर मंदिर के दरवाजे और लोहे के शटर पर लगे कई ताले तोड़कर अंदर दाखिल हुए। चोरी की गई वस्तुओं में काली की काले पत्थर की प्रतिमा, उस पर चढ़े करीब 7-8 तोले सोने के आभूषण, भगवान विष्णु, राधा-कृष्ण और मनसा की छोटी पीतल की प्रतिमाएं तथा शिवलिंग के चारों ओर लिपटा करीब 8-10 तोले वजन का चांदी का नाग शामिल है। मंदिर के पुजारी देवी प्रसाद चक्रवर्ती के अनुसार काली की प्रतिमा सफेद संगमरमर की शिव प्रतिमा के ऊपर स्थापित थी। चोर सफेद संगमरमर की शिव प्रतिमा को वहीं छोड़ गए, लेकिन उसके ऊपर लगी काली की प्रतिमा उठा ले गए। पुजारी के मुताबिक दोनों प्रतिमाओं की संयुक्त संरचना का वजन करीब 40 किलोग्राम था और अकेली काली प्रतिमा का वजन कम से कम 20 किलोग्राम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चोरों ने चोरी को अंजाम देने के लिए पहले से तैयारी की होगी।मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुशल चक्रवर्ती ने बताया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे। चोरी की सूचना सुबह करीब पौने 6 बजे राष्ट्रीय आपात सेवा 999 को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

पृष्ठ एक का शेष

नगांव में प्रचार के दौरान...

पत्थर फेंके, जिसमें दो कांग्रेसी वाहनों के शीशे टूट गए और कुछ पत्रकारों को भी मामूली चोटें आईं। सीआरपीएफ और राज्य पुलिस के जवानों ने गौरव गोगोई, भूपेश बघेल, रकीबुल हुसैन और शिबामोनी बोरा को सुरक्षा घेरा देकर बाराम बाजार से सुरक्षित बाहर निकाला। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा देकर स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में ले लिया गया है। पुलिस ने पथराव और हमले में शामिल दो संदिग्ध हमलावरों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि जिस कार में वे और बघेल यात्रा कर रहे थे, उस पर पत्थर और बोतलें फेंकी गईं। उन्होंने कहा कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस से पहले ही अनुरोध किया गया था, लेकिन स्थिति को जानबूझकर बिगड़ने दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को अपराधियों के लिए भर्ती सेल खोलना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि प्रत्याशी बोरा की कार में मौजूद एआईसीसी सचिव मनोज चौहान को पत्थर लगा। गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर भी तंज कसा। रैली को संबोधित करते हुए सांसद रकीबुल हुसैन ने दावा किया कि अगर भाजपा नगांव उपचुनाव हार जाती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हिमंत विश्व शर्मा को मुख्यमंत्री पद से हटा देंगे। उन्होंने प्रत्याशी शिबामोनी बोरा के लिए वोट मांगे। हुसैन ने कहा कि सामागुड़ी के विधायक उनके बेटे तंजील हुसैन हैं और स्थानीय कांग्रेस विधायक के हस्ताक्षर के बिना सामागुड़ी क्षेत्र में किसी भी महिला को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। आपको बता दें कि नगांव में उपचुनाव पूर्व कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै के इस्तीफे के कारण कराया जा रहा है, जिन्होंने इस्तीफा देकर दिसपुर से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नगांव संसदीय क्षेत्र में 6 अक्तूबर को मतदान कराया जाएगा और वोटों की गिनती 9 अक्तूबर को होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने ...

प्रभावित हो सकते हैं। इसे असम के लिए एक अहम पल बताते हुए शर्मा ने कहा कि दो दशक पहले तक, हमारा राज्य हड़ताल, हिंसा और उग्रवाद के लिए जाना जाता था। पिछले दशक में यह स्थिति बदली है और अब असम में आईआईटी, आईआईएम, एम्स और केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने कहा कि स्पेस साइंस के क्षेत्र में एक कमी थी और चंद्रपुर सुविधा के साथ, वह कमी पूरी हो गई है। यह बताते हुए कि इससे स्पेस में चीजों को ट्रैक करने और हमारी अहम स्पेस संपत्तियों की सुरक्षा करने की भारत की क्षमता मजबूत होगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ऐसे राज्य के लिए जिसे कभी भारत के प्रमुख टेक्नोलॉजी सेंटरों से दूर माना जाता था, आज असम को ऐसे अत्याधुनिक राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर का केंद्र बनते देखना बहुत संतोषजनक है। इस रणनीतिक प्रोजेक्ट के लिए असम को चुनने पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद। शर्मा ने इस सुविधा को बेहतरीन बनाने में इसरो को राज्य सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया। इसरो के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि चंद्रपुर सुविधा वर्ल्ड-क्लास होगी। उन्होंने घोषणा की कि एक क्लाउड रडार तैयार है और फरवरी के आखिर तक इसे चालू कर दिया जाएगा, साथ ही डेढ़ साल के भीतर दो और महत्वपूर्ण रडार लगने की उम्मीद है। उन्होंने इस मौके को बेहद अहम बताते हुए कहा कि क्लाउड रडार बादलों के पैटर्न का अध्ययन करेगा, रिसर्च और डेवलपमेंट में मदद करेगा और बारिश के पैटर्न का अनुमान लगाने में सहायता करेगा ताकि सरकार जरूरी कदम उठा सके। यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड नेशनल टेक्नोलॉजी और रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर के केंद्र के तौर पर असम की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करता है।

खरगे ने एसआईआर प्रक्रिया ...

अब जब यह प्रक्रिया दिल्ली में चल रही है, तो इसके प्रभाव अधिक स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय विदेश मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, राज्यसभा सांसदों तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी पहले नोटिस दिया जा चुका है। खरगे ने पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों से संबंधित अपीलों पर बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिली और उन्हें फिर से सूची में शामिल करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सवाल किया कि यदि बाद में नाम बहाल किए जा रहे हैं तो शुरुआती स्तर पर नाम हटाने का आधार क्या था। कांग्रेस अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की हालिया प्रेस विज्ञप्ति में *वीआईपी* अथवा *मार्क्ड इलेक्टर्स* के उल्लेख पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संविधान सभी मतदाताओं को समान अधिकार देता है और *एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य* लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। ऐसे में मतदाताओं की किसी विशेष श्रेणी का उल्लेख किए जाने पर आयोग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं को विसंगतियों के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि नोटिस जारी होने का अर्थ मतदाता का नाम स्वत: हटाया जाना नहीं है और किसी नाम को हटाने से पहले संबंधित मतदाता को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

सीएम ने कई महत्वपूर्ण ...

चर्चा की कि संस्थान में आने वाले लोगों को पर्याप्त सुविधाओं और सुख-सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले। शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि संस्था की क्षमता का विस्तार जारी रखना और सुलभ एवं उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना महत्वपूर्ण है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने इसके बाद अमीनगांव में निर्माणाधीन क्रिकेट स्टेडियम का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने खेल सुविधा के विभिन्न घटकों और क्षेत्र में विकसित किए जा रहे संबंधित बुनियादी ढांचे का जायजा लिया। अमीनगांव में विकसित किए जा रहे एक बड़े खेल अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा यह क्रिकेट स्टेडियम है, जिसमें बैडमिंटन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और एक उच्च प्रदर्शन तैराकी केंद्र जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एकीकृत खेल अवसंरचना से असम के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलने और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की राज्य की क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। शर्मा ने कामरूप के एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय और क्रिकेट स्टेडियम के पास प्रस्तावित बहुस्तरीय कार पार्किंग (एमएलसीपी) के स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विशाल खेल परिसर के विकास को ध्यान में रखते हुए आगंतुकों के लिए पर्याप्त पार्किंग सुविधाओं के प्रस्तावित प्रबंधों और यातायात प्रबंधन, कनेक्टिविटी और अन्य सहायक बुनियादी ढांचे से संबंधित आवश्यकताओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाओं में शामिल सभी एजेंसियों के बीच घनिष्ठ समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पार्किंग, यातायात आवागमन, कनेक्टिविटी और अन्य सहायक सुविधाओं की एकीकृत योजना की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि बुनियादी ढांचा जनता की कुशलतापूर्वक सेवा कर सके और संपूर्ण विकास क्षेत्र के सुचारू संचालन में योगदान दे सके। शर्मा ने यह भी निर्देश दिया कि परियोजनाओं को गुणवत्ता के अपेक्षित मानकों को बनाए रखते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरीक्षण से राज्य सरकार का आधुनिक, एकीकृत खेल और शहरी अवसंरचना के साथ-साथ उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत मिलता है, जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने की असम की क्षमता को मजबूत करना और प्रमुख खेल आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरना है।

हैदराबाद में 20 हजार ...

(हुसैन सागर) तक शोभायात्रा के मुख्य मार्ग का मौके पर निरीक्षण किया। संयुक्त निरीक्षण में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति सुरक्षा एजेंसी (हैद्रा) और सड़क एवं भवन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे। अधिकारियों ने मार्ग पर बुनियादी सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरे शोभायात्रा मार्ग पर हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की लाइव फीड की निगरानी तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र से चौबीसों घंटे की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारी वहां से पूरे मार्ग की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। आपात स्थिति से निपटने और भीड़ नियंत्रण के लिए रणनीतिक स्थानों पर विशेष दलों की तैनाती की गई है। इनमें क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी), बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड, एंटी-चेन स्नैचिंग टीम और महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी टीम शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों और आयोजकों से सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा शांतिपूर्ण माहौल में गणेश विसर्जन का पर्व संपन्न कराने में सहयोग की अपील की है।

कांग्रेस बनी मुस्लिम लीगी...

आज की कांग्रेस तो अति वामपंथ में जा चुकी है। यानी, वो कम्युनिज्म में गोता लगा चुके हैं। आज ये भी स्पष्ट हो गया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी की बातों में जो कुछ भी दिखाई पड़ता है, इसकी कहानी खानदानी है। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस की वर्तमान राजनीतिक शैली पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस आज वास्तविक सृजनात्मकता और दृष्टि के अभाव में लाफ्टर शो से स्टैंडअप कॉमेडी और स्टैंडअप कॉमेडी से अश्लीलता की ओर बढ़ गई है। मुझे लगता है कि कांग्रेस को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी के 2 जून 2023 को अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में प्रेस क्लब में दिए गए बयान का भी उल्लेख किया जिसमें राहुल गांधी ने मुस्लिमों को *पूरी तरह सेक्युलर* बताया था। भाजपा नेता ने केरलम् में कांग्रेस के इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन को लेकर भी सवाल उठाए और मुस्लिम लीग के ऐतिहासिक संदर्भ का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज जिस नीचाई पर है, 140 वर्षों में कभी इससे नीचे नहीं गई। इसलिए राहुल गांधी की करतूतों और कारगुजारियों की घोर भर्त्सना करते हुए मैं कहना चाहूंगा कि उन्होंने सिर्फ संसद की गरिमा नहीं गिराई, सिर्फ नेता प्रतिपक्ष के पद की गरिमा नहीं गिराई, बल्कि अपनी पार्टी के साथ-साथ अपने परिवार की गरिमा को भी गिराया है।

सीबीआई ने फरार ...

अनुसार वह यह रकम सीजीएसटी अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा और अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कांठेती की ओर से स्वीकार कर रहा था। मामले में तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर विशेष सीबीआई अदालत, ठाणे के समक्ष पेश किया गया था। सीबीआई ने पूछताछ के लिए पांच दिन की हिरासत मांगी थी। हालांकि 28 अगस्त को विशेष अदालत ने हिरासत की मांग खारिज करते हुए गिरफ्तारियों को अवैध माना और आरोपितों को जमानत पर रिहा कर दिया। सीबीआई ने विशेष अदालत के इस आदेश को बॉम्बे हाई कोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका के जरिए चुनौती दी। 16 सितंबर को हाई कोर्ट ने सीबीआई की पुनरीक्षण याचिका स्वीकार करते हुए विशेष अदालत के आदेश को रद्द कर दिया और आरोपितों को दो दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। हाई कोर्ट ने रिकॉर्ड की जांच के बाद पाया कि आरोपितों को गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में बताए गए थे और संबंधित परिजनों तथा वकीलों को भी इसकी सूचना दी गई थी। हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीजीएसटी अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा और निजी व्यक्ति नरेंद्र राजपूत को दो दिन की सीबीआई हिरासत में लिया गया। इसके बाद अदालत ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कांठेती हाई कोर्ट के आदेश का पालन करने के बजाय फरार हो गए थे। सीबीआई ने उनकी तलाश शुरू की और अब उन्हें ऋषिकेश से पकड़ लिया है। मामले में आरोपितों की पहचान राकेश कुमार सिन्हा, अधीक्षक, सीजीएसटी, खांदेश्वर, रायगढ़ (ए-1), नरेंद्र राजपूत, निजी व्यक्ति एवं कस्टम्स हाउस एजेंट (ए-2) और विनय कुमार कांठेती, 2009 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी एवं अतिरिक्त आयुक्त, सीजीएसटी (ए-3) के रूप में हुई है।

जितेंद्र मिश्रा ने श्रीराम ...

व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को देखेंगे। जितेंद्र मिश्रा को सितंबर की शुरुआत में राम मंदिर ट्रस्ट का पहला सीईओ नियुक्त किया गया था। वह आज से अयोध्या में नियमित उपस्थित रहेंगे।

एनएचएआई ने हाई-स्पीड राष्ट्रीय ...

कंट्रोल राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू होंगे। इनके जरिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया में एकरूपता लाई जाएगी और डिजाइन मानकों में मौजूद विभिन्नताओं को समाप्त किया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि ये दिशानिर्देश *विकसित भारत-2047* के तहत 50,000 किलोमीटर एक्सेस कंट्रोल हाई-स्पीड कॉरिडोर विकसित करने की दीर्घकालिक योजना के अनुरूप तैयार किए गए हैं। वर्तमान में ऐसे राजमार्गों की योजना और डिजाइन के लिए अलग से कोई एकीकृत मानक उपलब्ध नहीं था। नए दिशानिर्देशों में सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। हाई-स्पीड कॉरिडोर पर प्रवेश और निकास बिंदुओं के पहले स्पष्ट और अग्रिम संकेतक लगाने का प्रावधान किया गया है, ताकि वाहन चालक समय रहते दिशा बदल सकें और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।

मुनीर को हूती की खुली ...

(जैसा कि उन्होंने इसे बताया) में शामिल होते हैं, तो हूती उन्हें सबक सिखाएंगे। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब सऊदी अरब पर लगातार हो रहे हूती हमलों के कारण सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच *मक्का संयुक्त रक्षा समझौते* पर लोगों का ध्यान बढ़ गया है। इसके बावजूद, अल-बुखैती ने माना कि पाकिस्तान और तुर्की के लोगों में यमन के प्रति गहरी सहानुभूति है। उन्होंने कहा कि उनकी चेतावनी इन देशों की सरकारों के लिए थी, अगर वे सैन्य रूप से इस मामले में शामिल होते हैं। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान-सऊदी अरब-तुर्की रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद, हूथी की इस चेतावनी ने पाकिस्तान की स्थिति पर फिर से ध्यान केंद्रित किया है। 7 अगस्त को तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए इस समझौते का आधार बढ़ती क्षेत्रीय और वैश्विक अस्थिरता के बीच साझा जिम्मेदारी और क्षेत्रीय स्वामित्व के सिद्धांत हैं। इसका मकसद सामूहिक सुरक्षा क्षमता को मजबूत करते हुए सुरक्षा, शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत, हस्ताक्षर करने वाले किसी भी देश पर हमले को सभी पक्षों पर हमला माना जाएगा। हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच फिर से शुरू हुए हमलों और इस समझौते में शामिल देशों की संभावित सैन्य भागीदारी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच इस समझौते का महत्व और बढ़ गया है।

बांग्लादेश में 11 दिन के ...

मौत के सटीक कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। इससे पहले सात सितंबर को सिलहट शहर के मिर्जाजंगल इलाके में स्थित किराये के मकान से चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती का शव बरामद किया गया था। बताया गया है कि करीब दो वर्ष पहले उनका विवाह हुआ था और नए मकान में रहने के लिए जाने के अगले ही दिन उनकी असामान्य मौत हो गई। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई है। हालांकि, महज 11 दिनों के अंतराल में पिता और पुत्र की मौत की घटनाओं ने मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनाक्रम को लेकर बांग्लादेश राष्ट्रीय हिंदू महासंघ के महासचिव पलाश कांति दे ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दोनों मौतों की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है। उनका कहना है कि आत्महत्या और हत्या की आशंका के बीच वास्तविक कारण सामने लाने के लिए पारदर्शी जांच जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े चिकित्सक, शिक्षक, पुलिसकर्मी और पत्रकार भी सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं। पलाश कांति दे ने ढाका विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर अबुल बरकत की *राजनीतिक अर्थव्यवस्था* पुस्तक में दिए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए अल्पसंख्यक समुदाय पर कथित अत्याचार, धमकी और उत्पीड़न को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि ऐसी घटनाएं लगातार जारी रहीं तो देश में अल्पसंख्यक आबादी के अस्तित्व पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हिंदू समुदाय के खिलाफ होने वाली कई घटनाएं सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ पाती हैं। उनके मुताबिक, भय और असुरक्षा के कारण अनेक पीड़ित या उनके परिवार घटनाओं को सार्वजनिक करने से बचते हैं। उन्होंने हिंदू परिवारों को धमकाने, घरों में आग लगाने और देश छोड़ने के लिए दबाव बनाए जाने जैसे आरोप भी लगाए। पलाश कांति दे ने दावा किया कि ऐसी घटनाओं का बहुत छोटा हिस्सा ही मीडिया में सामने आता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी भय के कारण कई लोग घटनाओं को सार्वजनिक नहीं कर पाते। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कथित हिंसा की तुलना 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान हुए अत्याचारों से करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाया। हालांकि, पिता और पुत्र की मौतों के वास्तविक कारण को लेकर अभी जांच पूरी नहीं हुई है। चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती की मौत को लेकर पुलिस की प्रारंभिक आशंका आत्महत्या की है, जबकि उनके पिता पूर्णेंदु चक्रवर्ती की मौत का कारण पोस्टमार्टम और जांच के बाद ही स्पष्ट होने की बात पुलिस ने कही है। ऐसे में दोनों घटनाओं के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है।

अब गिरफ्तारी से पहले ...

विभागीय जांच भी शुरू करनी होगी। न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने ये फैसला संविधान के अनुच्छेद 22(1) में मिले उस अधिकार से जुड़ा है, जिसके तहत गिरफ्तार व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी की वजहों की जानकारी दी जानी चाहिए। कोर्ट ने साफ किया कि गिरफ्तारी के कारण सिर्फ मौखिक रूप से बता देना काफी नहीं है। गिरफ्तारी की वजह लिखित रूप में और ऐसी भाषा में देनी होगा जिसे आरोपी समझ सके। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो गिरफ्तारी और उसके बाद की रिमांड भी कानूनी सवालों के घेरे में आ सकती है। अब अगर ऐसी गलती की वजह से आरोपी को रिहा किया जाता है और जांच एजेंसी फिर से उसे गिरफ्तार करना चाहती है, तो पहले मजिस्ट्रेट के सामने आवेदन देना होगा। पुलिस अपनी ही गलती को ठीक करके सीधे दोबारा गिरफ्तारी नहीं कर सकेगी। इस पूरे मामले को समझने के लिए पहले पुराने कानूनी ढांचे को समझना जरूरी है।

अनुच्छेद 22(1) : गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण बताना जरूरी है। पुराने फैसलों में जोर: सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी कहा कि गिरफ्तारी के आधार की जानकारी देना संवैधानिक अधिकार है।

लिखित जानकारी : 2024 के पंकज बंसल और प्रबीर पुरकायस्थ जैसे मामलों में कोर्ट ने गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी देने की जरूरत को स्पष्ट किया।

2025 में आगे स्पष्टता : सुप्रीम कोर्ट ने मिहिर राजेश शाह मामले में लिखित रूप में गिरफ्तारी के आधार देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अब नया निर्देश : अगर इसी अधिकार का उल्लंघन करके गिरफ्तारी अवैध होती है, तो दोबारा गिरफ्तारी से पहले मजिस्ट्रेट की अनुमति जरूरी होगी। पहले भी यह कानून था कि गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी दी जाए। यह कोई सामान्य पुलिस प्रक्रिया भर नहीं थी, बल्कि संविधान से जुड़ा अधिकार था।

सोमनाथ मंदिर और ...

अलग-अलग स्थानों पर पहले से बम फिट किए जाने का दावा भी किया गया है। संदेश के अंत में फिर से *अल्लाहु अकबर* लिखा गया है। ई-मेल में आपत्तिजनक और आतंकी गतिविधियों से जुड़े शब्दों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही *पाकिस्तान जिंदाबाद* जैसे नारे लिखे जाने की बात सामने आई है। धमकी मिलने के बाद राज्य की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है तथा जांच शुरू कर दी गई है। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद खानपुर स्थित भाजपा कार्यालय में पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। बम निरोधक दस्ते और पुलिस की टीमों को भाजपा कार्यालय भेजा गया तथा परिसर की जांच की गई। शहर के मेयर हितेश बारोट और शहर भाजपा अध्यक्ष उमंगभाई नायक भी भाजपा कार्यालय पहुंचे। अहमदाबाद के शाहपुर पुलिस थाने के पीआई पी.बी. खांभला ने बताया कि धमकी वाले ई-मेल के बाद जांच की गई।

धुबड़ी के गुमाफेरिघाट ...

फंसे होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद फंसे यात्रियों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। राहत-बचाव अभियान चलाए जाने की जानकारी मिली है। दुर्घटना के कारणों और राहत-बचाव अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

असम में इसरो की उन्नत रडार अनुसंधान सुविधा के लिए सैकिया ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा अध्यक्ष एवं दरंग-उदालगुड़ी के सांसद दिलीप सैकिया ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया कि असम को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उन्नत रडार अनुसंधान सुविधा के लिए चुना गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को वरिष्ठ इसरो वैज्ञानिकों की मौजूदगी में चंद्रपुर में केंद्र सरकार के प्रोजेक्ट नेत्र के तहत विकसित की जा रही उन्नत रडार अनुसंधान सुविधा की आधारशिला रखी। यह प्रणाली अंतरिक्ष में मौजूद वस्तुओं की निगरानी करने के साथ भारत की महत्वपूर्ण अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की सुरक्षा क्षमता को और मजबूत करेगी। सैकिया ने कहा कि यह परियोजना असम को देश के अंतरिक्ष और प्रौद्योगिकी मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में इस तरह के उन्नत राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे का निर्माण बदलते निवेश और विकास परिदृश्य को दर्शाता है। भाजपा असम प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान में पार्टी की मीडिया पैनलिस्ट प्रियंका तामुली ने कहा कि मौजूदा सरकार के नेतृत्व में शांति, स्थिरता और लोगों के बीच विश्वास का माहौल मजबूत हुआ है, जिससे असम में उद्योगों और बड़े संस्थानों की स्थापना

के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने चंद्रपुर में इसरो की रडार अनुसंधान सुविधा, सेमीकंडक्टर परियोजनाओं और धुबड़ी के छपार में प्रस्तावित ताप विद्युत परियोजना को राज्य में आ रहे बड़े निवेशों के उदाहरण के तौर पर रेखांकित किया। 20 सितंबर को धुबड़ी के छपार में 48,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली 3,200 मेगावाट क्षमता की ताप विद्युत परियोजना की आधारशिला रखी गई थी। परियोजना में 800 मेगावाट की चार इकाइयां होंगी। बयान के अनुसार, निर्माण अवधि में 20,000 से अधिक और परियोजना के संचालन के बाद करीब 5,000 स्थायी रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। तामुली ने औद्योगिक भूमि बैंक बनाने और राज्य के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों से निवेश आकर्षित करने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने में मदद मिल रही है। बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट स्थानीय कारोबार, लघु उद्योग, परिवहन सेवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचा सकते हैं। उन्होंने नलबाड़ी जिले के बानेकुची गांव में पेप्सिको इंडिया की खाद्य विनिर्माण परियोजना का भी उल्लेख किया और कहा कि कंपनी ने रोजगार के 75 फीसदी अवसर महिलाओं को देने की प्रतिबद्धता जताई है। उनके अनुसार, इस तरह की पहल महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाने के साथ स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ा सकती है। तामुली ने कहा कि असम के विकास को केवल निवेश की मात्रा से नहीं, बल्कि महिलाओं, युवाओं और स्थानीय समुदायों तक नए अवसरों की पहुंच से भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में चल रही औद्योगिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं असम की क्षमता को रोजगार, निवेश और बेहतर आजीविका के अवसरों में बदलने में मदद कर रही हैं।

जुबीन क्षेत्र में भूपेश बघेल ने दी श्रद्धांजलि, सामागुड़ी में जनसभा को करेंगे संबोधित

गुवाहाटी (हिंस)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव और असम कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल ने सोमवार सुबह गुवाहाटी के सोनापुर स्थित जुबीन क्षेत्र में दिवंगत कलाकार जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि अर्पित की। बघेल ने सुबह करीब 11 बजे जुबीन क्षेत्र पहुंचकर दिवंगत कलाकार को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई और कांग्रेस के कई विधायक भी मौजूद रहे। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद बघेल और अन्य कांग्रेस नेता नगांव के लिए रवाना हुए। बघेल आज नगांव के सामागुड़ी में आयोजित एक विशाल जनसभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने जा रहे थे। एआईसीसी महासचिव के स्वागत के लिए सामागुड़ी से जनसभा स्थल तक रैली भी निकाली गई। जनसभा में सांसद एवं एपीसीसी अध्यक्ष गौरव गोगोई, सांसद रकीबुल हुसैन, उपचुनाव उम्मीदवार शिवामणि बोरा समेत कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हो रहे हैं।

एसएसबी ने मोरीगांव में पौधारोपण अभियान और सोनापुर में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया

गुवाहाटी (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम बटालियन, सोनापुर ने सोमवार को मोरीगांव में वृहद पौधारोपण अभियान तथा सोनापुर स्थित बटालियन परिसर में नि:शुल्क बीएमआई और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। मोरीगांव के पचतिया मैथली पाथर गांव में *डी* कंपनी के कार्यक्षेत्र के तहत आयोजित पौधारोपण अभियान में एसएसबी जवानों के साथ स्थानीय ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम प्रथम बटालियन एसएसबी, सोनापुर के द्वितीय कमान अधिकारी एवं कार्यवाहक कमांडेंट इबौचौबा सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। अभियान के दौरान गांव और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर सहायक कमांडेंट एवं कंपनी कमांडर विद्या प्रकाश ने पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ हवा और मृदा संरक्षण के साथ भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है। प्रतिभागियों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया। इसी क्रम

में सोनापुर स्थित प्रथम बटालियन एसएसबी परिसर में जवानों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए नि:शुल्क बीएमआई एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्वास्थ्य जांच, बीएमआई आकलन तथा संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली को लेकर पोषण संबंधी परामर्श दिया गया। प्रथम बटालियन एसएसबी के कमांडेंट (मेडिकल) डॉ. रिंकू डे ने स्वास्थ्य जांच और आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन प्रदान किया। शिविर में गुवाहाटी के क्रिश्चियन बस्ती, दिसपुर स्थित न्यू होप वेलनेस हार्मनी सेंटर की वेलनेस टीम ने भी सहयोग किया। एसएसबी के अनुसार, दोनों कार्यक्रम बल की पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी और स्थानीय समुदाय के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

भारत संकल्प अभियान के तहत फकीराग्राम नगरपालिका ने चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

कोकराझाड़ (हिंस)। भारत संकल्प अभियान के अवसर पर फकीराग्राम नगरपालिका के तत्वावधान में सोमवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगरपालिका कार्यालय परिसर के साथ-साथ विभिन्न वार्डों एवं फकीराग्राम के कई क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई। फकीराग्राम नगरपालिका के उप-नगराध्यक्ष प्रणव शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में नगरपालिका के सभी वार्ड पार्षदों, सफाईकर्मियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई करने के साथ ही स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उप-नगराध्यक्ष प्रणव शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल नगरपालिका प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता और जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास के क्षेत्रों को नियमित रूप से स्वच्छ रखने तथा कचरा निर्धारित स्थान पर डालने की अपील की।

अल्पसंख्यक इलाकों में 10 लाख वोटों से हारने के बाद बदरुद्दीन अजमल अप्रासंगिक : पीयूष हजारिका

नगांव (हिंस)। असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका ने सोमवार को दावा किया कि अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में भारी हार के बाद एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल अब राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक हो गए हैं। सामागुड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हजारिका ने कांग्रेस की स्थिति को भी दयनीय बताया। उन्होंने दावा किया कि सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन की स्थिति भी बेहद कमजोर है। इस कार्यक्रम के दौरान 2,000 से अधिक लोगों के भाजपा में शामिल होने का दावा पार्टी की ओर से किया गया। वहीं, धिंग में भी बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के भाजपा में शामिल होने की बात सामने आई है। इस बीच नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा ने अपने प्रचार अभियान को तेज कर दिया है। पार्टी ने अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में भी जनसंपर्क बढ़ाया है।

डिब्रूगढ़ में नशा मुक्त भारत संकल्प पदयात्रा, राज्यपाल ने युवाओं को नशे से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को डिब्रूगढ़ में नशा मुक्त भारत संकल्प पदयात्रा के तीसरे चरण का नेतृत्व किया। उन्होंने युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से बचाने और नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी वर्गों से सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया। जिला पुस्तकालय में पदयात्रा के अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस पदयात्रा का उद्देश्य असम के हर वर्ग तक नशा मुक्त समाज का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई केवल कानून लागू करने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें परिवार, शैक्षणिक संस्थान, समुदाय, नागरिक समाज और प्रशासन की संयुक्त भूमिका आवश्यक है। डिब्रूगढ़ को असम के इतिहास, विरासत और विकास का महत्वपूर्ण

केंद्र बताते हुए आचार्य ने कहा कि जिले के युवाओं में राज्य के भविष्य को आकार देने की अपार क्षमता है। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ, अनुशासित और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और आकांक्षाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के लिए स्वस्थ, आत्मविश्वासी और सशक्त युवा आबादी आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत के अभियान में सक्रिय भागीदार बनने का आह्वान किया। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जयंती के अवसर पर राज्यपाल ने गुरूजना को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने युवाओं से मानवता, करुणा, अनुशासन, भक्ति और सदाचार की उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने तथा नशीले पदार्थों से मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आग्रह किया। राज्यपाल ने अभिभावकों से बच्चों के साथ प्रेम, विश्वास और खुले संवाद का माहौल बनाए रखने तथा उनकी चिंताओं, संगति और गतिविधियों पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए निरंतर जागरूकता, रोकथाम, सामुदायिक भागीदारी और युवाओं को सहयोग देना जरूरी है। सभा के बाद राज्यपाल ने जिला पुस्तकालय परिसर में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की और चौकीडिंगी मैदान की ओर पदयात्रा का नेतृत्व किया। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, एनसीसी कैडेटों, शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों, सेवानिवृत्त सशस्त्र बल कर्मियों, नागरिक समाज के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने भाग लिया। इससे पहले डिब्रूगढ़ के जिला आयुक्त बिक्रम कैरी ने प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत संकल्प की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में परिवर्तन एवं विकास मंत्री रामेश्वर तेली, राज्यसभा सांसद तेरेस गोवाला, विधायक बिनोद हजारिका और चक्रधर गोगोई, डिब्रूगढ़ नगर निगम के महापौर डॉ. सैकत पात्रा, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जितेन हजारिका, जिला आयुक्त बिक्रम कैरी, एसएसपी गौरव अभिजीत दिलीप, असम पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष ऋतुपर्ण बरुवा सहित जिला प्रशासन, पुलिस और विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सोनापुर में जुबीन क्षेत्र के पास ढाबे में तोड़फोड़ पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर स्थित जुबीन क्षेत्र के समीप न्यू सिटी ढाबे में कथित तौर पर हंगामा और तोड़फोड़ करने के आरोप में पुलिस ने पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, शराब नहीं दिए जाने से नाराज युवकों ने कथित तौर पर शराब के नशे में ढाबे में जमकर हंगामा किया और तोड़फोड़ की। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए युवकों में तीन माजुली जिले के रहने वाले हैं, जबकि दो लखीमपुर जिले के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बंगाईगांव रिफाइनरी के हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिंदी पुस्तक की प्रदर्शनी

बंगाईगांव (हिंस)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), बंगाईगांव के तत्वावधान में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा हिंदी पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत हिंदी स्थान प्रकाशन, जयपुर के सहयोग से आज प्रशासनिक भवन के बी-ब्लॉक में हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन बंगाईगांव रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख तथा नराकास, बंगाईगांव के अध्यक्ष नयन कुमार बरवा द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य बंगाईगांव रिफाइनरी के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के बीच हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि, जागरूकता तथा पठन-पाठन की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। प्रदर्शनी में साहित्य, प्रबंधन, विज्ञान, तकनीक, व्यक्तित्व विकास तथा प्रेरणादायी विषयों से संबंधित अनेक उपयोगी

हिंदी पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में बरुवा ने कहा कि हिंदी हमारे देश की सांस्कृतिक और भाषायी एकता की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यों तथा व्यवहार में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान करते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु सभी को सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बंगाईगांव द्वारा हिंदी को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा कर्मचारियों को हिंदी साहित्य के अध्ययन और हिंदी में रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पुस्तक प्रदर्शनी न केवल हिंदी भाषा के संवर्धन में सहायक होती है, बल्कि समाज में पढ़ने की संस्कृति को भी सुदृढ़ बनाती है। बंगाईगांव रिफाइनरी राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रही है और यह आयोजन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रदर्शनी का कर्मचारियों एवं अन्य आगंतुकों द्वारा उत्साहपूर्वक अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रदर्शित पुस्तकों में गहरी रुचि दिखाई तथा इस पहल की सराहना की। उल्लेखनीय है कि हिंदी पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत आयोजित यह हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी केवल बंगाईगांव रिफाइनरी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बंगाईगांव के तत्वावधान में केंद्रीय विद्यालय, कोकराझाड़; केंद्रीय विद्यालय, न्यू बंगाईगांव; जवाहर नवोदय विद्यालय, चिरांग; जवाहर नवोदय विद्यालय, कोकराझाड़; आदर्श विद्यालय, सिडली; आदर्श विद्यालय, बिजनी; पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र, न्यू बंगाईगांव तथा एसएसबी, बंगाईगांव में भी आयोजित की जाएगी, जिससे हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिल सके।

96 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी फणीधर गोगोई से मिले असम के राज्यपाल, किया सम्मानित

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को डिब्रूगढ़ के कोनवारीगांव स्थित 96 वर्षीय वरिष्ठ शिक्षाविद और स्वतंत्रता सेनानी फणीधर गोगोई के आवास पर पहुंचकर उन्हें *राज्यपाल असम वरिष्ठ नागरिक सम्मान* पहल के तहत सम्मानित किया। राज्यपाल ने फणीधर गोगोई को पारंपरिक असमिया गमछा, 51,000 रुपए का चेक, सेलेंग सादर, शॉल, धोती, छाता और फलों की टोकरी भेंट की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्र और समाज के प्रति गोगोई के दीर्घकालीन योगदान की सराहना की। आचार्य ने कहा कि शिक्षक और स्वतंत्रता सेनानी के रूप में फणीधर गोगोई का जीवन समर्पण, परिश्रम और अनुशासन का प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान उस पीढ़ी के मूल्यों और संघर्षों के प्रति सम्मान प्रकट करना है, जिसने राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्यपाल ने फणीधर गोगोई के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना भी की।

विश्व अल्जाइमर दिवस : रंगिया में जागरूकता सभा और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रंगिया (विभास)। विश्व अल्जाइमर दिवस के अवसर पर रंगिया के बरमुरा खानापाड़ा दिघिपार स्थित *किसान कानन इंटीग्रेटेड फार्म इको टूरिज्म एंड डिमेंशिया विलेज* में विविध जागरूकता कार्यक्रमों और विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। यह आयोजन *अल्जाइमर्स डिजीज एंड रिलेटेड डिसऑर्डर्स सोसाइटी ऑफ इंडिया* की गुवाहाटी शाखा और *किसान कानन सोशियो इकोनॉमिक डेवलपमेंट ट्रस्ट* के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। सुबह 10-30 बजे बरशा भरद्वाज द्वारा प्रस्तुत भजन एवं वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके पश्चात कामरूप जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा, रंगिया के सह-जिला आयुक्त नवजीत पाठक, श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के सलाहकार जयंत कुमार गोस्वामी, प्राग्ज्योतिष चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार बैश्य तथा गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष एसबी शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मरीजों, देखभालकर्ताओं, एईआरसी के अध्यक्ष

लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणाप्रताप कलिता और अन्य अतिथियों की उपस्थिति में परिसर में पौधारोपण किया गया, जिसके बाद शांतनु बरुआ के गिटार वादन के साथ असम गीत *ओ मोर आपोनार देश* की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। समारोह में स्वागत भाषण एसबी शर्मा तथा डॉ. मनोरंजन कलिता ने प्रस्तुत किया। रंगिया के विधायक भवेश कलिता ने मुख्य कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जबकि राज्यसभा सांसद प्रमोद बोरो मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में कामरूप महानगर के जिला उपायुक्त स्वप्निल पाल भी उपस्थित रहे। तकनीकी व जन-जागरूकता सत्र में प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अजया महंतो और मनोचिकित्सक डॉ. दीपेश भागवती ने *अल्जाइमर रोग और डिमेंशिया को समझना* विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया, जबकि अनुसूया बोरकोटोकी व यूथ ब्रिगेड के संचालन में देखभालकर्ताओं के लिए परामर्श एवं प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। दोपहर के सत्र में मरीजों एवं बुजुर्गों के लिए विशेष इंटरैक्टिव गतिविधियां, संगीत थेरेपी, योगाचार्य ज्योतिस कलिता के मार्गदर्शन में योग सत्र तथा नि:शुल्क स्मृति परीक्षण (मेमोरी टेस्ट) किया गया।

कोकराझाड़ में कामतापुर स्टेट डिमांड काउंसिल की केंद्रीय कार्यकारिणी बैठक 22 सितंबर को

कोकराझाड़ (हिंस)। कामतापुर स्टेट डिमांड काउंसिल (डेमोक्रेटिक), ईस्टर्न रीजन की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक आगामी 22 सितंबर को कोकराझाड़ जिले के सरफानगुरी स्थित चिलाराय भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक दोपहर 2 बजे से शुरू होगी। संगठन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, बैठक में स्वदेशी कोच-राजबंशी समुदाय के संवैधानिक अधिकारों और विभिन्न मांगों को लेकर लोकतांत्रिक आंदोलन के अंतिम चरण पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठक में संगठन के केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के शामिल होने की बात कही गई है। संगठन ने बैठक को समुदाय के अधिकारों और मांगों से जुड़े आगामी कार्यक्रमों एवं रणनीति पर विचार-विमर्श के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

रंगिया में धूमधाम से मनाई गई श्री श्री बाबा रामदेव जी की दशमी

रंगिया (विभास)। श्री शक्ति सेवा समिति, रंगिया के तत्वावधान में सोमवार को श्री श्री बाबा रामदेव जी दशमी का भव्य उत्सव अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। वर्ष 2012 से लगातार आयोजित हो रहे इस वार्षिक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में किया गया। उत्सव की शुरुआत संध्या 6-31 बजे विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके उपरांत संध्या 7-01 बजे बाबा रामदेव जी की पावन ज्योत प्रज्ज्वलित की गई, जिसके बाद महाआरती कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। वहीं संध्या 7-31 बजे बाबा को *छप्पन भोग* का दिव्य प्रसाद अर्पित किया गया। उत्सव के अंतिम चरण में रात्रि 9-01 बजे से भव्य कीर्तन एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ। इसमें श्री बजरंग भजन मंडली (रंगिया) तथा श्री मारुति मंडल (दिसपुर) के भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य जजमान के रूप में रामोतार लुंडिया एवं उनकी धर्मपत्नी पूनम लुंडिया ने उपस्थित होकर विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न

कराई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के अध्यक्ष रामोतार लुंडिया, सचिव प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिलीप जाजोदिया सहित कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार मोर, रमेश बजाज, संजय नाथानी, प्रदीप जाजोदिया, अनूप जाजोदिया, नरेश जैन तथा संजय मोर की सराहनीय भूमिका रही। आयोजक संस्था *श्री शक्ति सेवा समिति, रंगिया* ने कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए सभी धर्मप्रेमी लोगों व सपरिवार पधारे भक्तों के प्रति हार्दिक धन्यवाद व आभार व्यक्त किया है।

संपादकीय

यह रोजगार 'जीरे' समान

हमें 2013-14 का परिदृश्य याद आ रहा है। तब नरेन्द्र मोदी भाजपा के प्रधानमंत्री उम्मीदवार थे। वह दौर भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी का था। कमोबेश महंगाई और बेरोजगारी आज भी प्रबल हैं। बहरहाल 2014 में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मोदी ने देश को आश्वासन दिया था कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनी, तो सालाना 2 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाएंगे। देश ने भाजपा को जनादेश दिया और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। तब से वह इस संवैधानिक पद पर हैं, लेकिन सवा 12 साल के कालखंड में सरकार ने कुल 15 लाख से अधिक नियुक्ति-पत्र बांटे हैं। वैसे सरकार का दावा है कि कुल मिला कर करीब 17 करोड़ रोजगार सृजित किए गए हैं। आश्वासन के मुताबिक, कुल 24 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाने चाहिए थे। इसका कोई स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक नहीं दिया। वैसे केंद्र सरकार में फिलहाल 8 लाख से अधिक पद खाली हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जाता? यह सवाल हम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निजी या सार्वजनिक उपक्रमों में भी कितना रोजगार मुहैया कराया, इसका भी कोई डाटा नहीं दिया गया है। नीति आयोग की एक रपट में यह खुलासा जरूर किया गया है कि मात्र 8.27 फीसदी स्नातकों को ही उनकी योग्यता के मुताबिक काम मिल पाया है। अर्थात शेष 91 फीसदी से ज्यादा युवा और कामगार निजी क्षेत्र में अनगढ़ी, अनुपयुक्त, औनी-पौनी नौकरी कर रहे हैं या ठेके पर काम कर रहे हैं अथवा खेती के काम का दावा कर रहे हैं। खेती में औसतन 10,000 रुपए से कुछ अधिक की माहवार आमदनी है, यह सरकार का ही आंकड़ा है। दरअसल भारत में रोजगार की यही औसत हकीकत है। सबसे बड़े राज्य उप्र का ही उदाहरण लें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2022 में चुनाव जीतने से पहले वायदा किया था कि 5 साल में 70 लाख रोजगार (नौकरी समेत) दिए जाएंगे। वह 2017 से लगातार सत्ता में हैं। अब चुनाव के मुहाने पर उन्होंने ही खुलासा किया है कि साढ़े 9 साल में हमने करीब 9.50 लाख नौकरियां (क्या रोजगार भी?) दी हैं और आगामी 6 माह में 1 लाख नौकरियां और देंगे। इन रोजगारों का कुल जोड़ किया जाए, तो यह 70 लाख की तुलना में 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। उप्र सरकार ने अभी जो रोजगार मेला आयोजित किया था, उसमें सिर्फ 8.18 नियुक्ति-पत्र ही बांटे गए। सरकार के पास मुश्किल से 4 महीने बचे हैं। उसके बाद चुनाव घोषित हो जाएंगे और आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। नौकरियां कैसे देंगे? चूंकि उप्र विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल, 2027 में होना है और भाजपा के लिए यह चुनाव जीतना 'नाक और सम्मान का सवाल' है, लिहाजा प्रधानमंत्री, मंत्रीगण, प्रवक्ता और मुख्यमंत्री 'जेन-जी' के प्रति प्यार, प्रतिबद्धताएं उंडेल रहे हैं। जेन-जी और अपेक्षाकृत कुछ ज्यादा उम्र के युवाओं के रोजगार का यथार्थ यह है कि बजट में जिस 'पीएम इंटर्नशिप योजना' की ढोल पीटते हुए घोषणा की गई थी, उसके तहत 16,614 युवाओं को ही इंटर्नशिप नसीब हुई है, जबकि योजना के मुताबिक, करीब 3.68 लाख युवाओं को यह अवसर मिलना चाहिए था। कारण, फासले, विसंगतियां प्रधानमंत्री या वित्त मंत्री ही जानते होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की झंडेदार योजनाओं में 'कौशल विकास' भी शामिल रही है। 2015-26 के दौरान कुल 4.73 करोड़ के करीब युवाओं के पंजीकरण, प्रशिक्षण और उन्हें प्रमाण-पत्र दिए जाने की स्थिति सामने आई है, लेकिन उनमें से सिर्फ 21.84 लाख को ही नौकरी, रोजगार प्राप्त हो सके हैं। सरकार के लिए यह आंकड़ा भी गुलगुलाने वाला होगा! सवाल किया जा सकता है कि क्या शेष 4 करोड़ से अधिक युवा 'कौशलहीन' थे? उनके रोजगार का क्या हुआ? क्या यह योजना भी नाकाम रही है? 'अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी निजी है, लेकिन उसकी प्रतिष्ठा और स्तर मायनेदार हैं। उसका अध्ययन और सर्वेक्षण है कि 2004-23 के बीच देश में करीब 50 लाख युवा 'स्नातक' बने। यानी डिग्रीधारी बने, लेकिन उनमें से करीब 28 लाख को ही रोजगार मिला। वह रोजगार कैसा था, योग्यता के मुताबिक था अथवा नहीं, फिलहाल इसे छोड़ दीजिए। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय के ही आंकड़े हैं कि देश में 29.4 फीसदी डिग्री या डिप्लोमा धारक युवा बेरोजगार हैं। यह यथार्थ इतिहास-जैसा असीमित है। हमने कुछ बिंदु छुए हैं। फिर आग्रह करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान दें, सोचें, अमल करें। रोजगार की समस्या हल होने से कई और समस्याएं भी हल हो जाती हैं।

देश ने भाजपा को जनादेश दिया और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। तब से वह इस संवैधानिक पद पर हैं, लेकिन सवा 12 साल के कालखंड में सरकार ने कुल 15 लाख से अधिक नियुक्ति-पत्र बांटे हैं। वैसे सरकार का दावा है कि कुल मिला कर करीब 17 करोड़ रोजगार सृजित किए गए हैं। आश्वासन के मुताबिक, कुल 24 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाने चाहिए थे। इसका कोई स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक नहीं दिया। वैसे केंद्र सरकार में फिलहाल 8 लाख से अधिक पद खाली हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जाता? यह सवाल हम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निजी या सार्वजनिक उपक्रमों में भी कितना रोजगार मुहैया कराया, इसका भी कोई डाटा नहीं दिया गया है। नीति आयोग की एक रपट में यह खुलासा जरूर किया गया है कि मात्र 8.27 फीसदी स्नातकों को ही उनकी योग्यता के मुताबिक काम मिल पाया है। अर्थात शेष 91 फीसदी से ज्यादा युवा और कामगार निजी क्षेत्र में अनगढ़ी, अनुपयुक्त, औनी-पौनी नौकरी कर रहे हैं या ठेके पर काम कर रहे हैं अथवा खेती के काम का दावा कर रहे हैं। खेती में औसतन 10,000 रुपए से कुछ अधिक की माहवार आमदनी है, यह सरकार का ही आंकड़ा है। दरअसल भारत में रोजगार की यही औसत हकीकत है। सबसे बड़े राज्य उप्र का ही उदाहरण लें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2022 में चुनाव जीतने से पहले वायदा किया था कि 5 साल में 70 लाख रोजगार (नौकरी समेत) दिए जाएंगे। वह 2017 से लगातार सत्ता में हैं। अब चुनाव के मुहाने पर उन्होंने ही खुलासा किया है कि साढ़े 9 साल में हमने करीब 9.50 लाख नौकरियां (क्या रोजगार भी?) दी हैं और आगामी 6 माह में 1 लाख नौकरियां और देंगे।

बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुने

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए। भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरुआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी।

जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी।

देश | दुनीया से

बढ़ते कदम, बदलती चुनौतियां व विकास की डगर

हिमाचल प्रदेश ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था, समृद्ध संस्कृति और साहसिक गतिविधियों के कारण देश ही नहीं, बल्कि विश्व के पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां आने वाला पर्यटक केवल बर्फीली चोटियों और देवदार के जंगलों को देखने नहीं आता, बल्कि वह हिमाचल की संस्कृति, जनजीवन, धार्मिक परंपराओं, खान-पान और प्रकृति के साथ जुड़ना चाहता है। यही विविधता हिमाचल को पर्यटन की दृष्टि से विशिष्ट बनाती है। लेकिन अब सवाल केवल यह नहीं है कि हिमाचल में कितने पर्यटक आ रहे हैं, बल्कि यह है कि बढ़ते पर्यटक दबाव को हम कितनी व्यवस्थित और टिकाऊ तरीके से संभाल पा रहे हैं। हिमाचल में धार्मिक पर्यटन की अपनी एक अलग दुनिया है। प्रदेश के लगभग हर जिले में ऐसे मंदिर, शक्तिपीठ और धार्मिक स्थल हैं जहां वर्षभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में प्रदेश में कुल 3.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे जिनमें लगभग 1.66 करोड़ धार्मिक पर्यटक थे। यानी पर्यटन की तस्वीर में धार्मिक आस्था की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अंदाजा इसी आंकड़े से लगाया जा सकता है। प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से भी हिमाचल किसी परिचय का मोहताज नहीं है। बर्फ से ढकी चोटियां, कल-कल बहती नदियां और जलधाराएं, झरने, प्राकृतिक झीलें, घने वन, सेब के बागान और पहाड़ों से गुजरती घुमावदार सडक़ें पर्यटकों को सहज ही आकर्षित करती हैं। इसके साथ ही ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग, माउंटेन साइक्लिंग, कैंपिंग और शीतकालीन खेलों जैसी साहसिक गतिविधियों की संभावनाएं हिमाचल को वर्षभर पर्यटन का केंद्र बनाती हैं। कांगड़ा के बीड़-बिलिंग ने तो साहसिक पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर प्रदेश की अलग पहचान स्थापित कर ही दी है। प्रदेश में पर्यटन की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा निम्न आंकड़ों से लगाया जा सकता है। वर्ष 2024 में हिमाचल में लगभग 1.81 करोड़ पर्यटक आए थे जबकि 2025 में यह संख्या बढक़र 3.11 करोड़ हो गई। सरकारी आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार पर्यटन, होटल और रेस्तरां क्षेत्र ने वर्ष 2024-25 में राज्य की अर्थव्यवस्था में 7.77 प्रतिशत योगदान दिया तथा 11 प्रतिशत के करीब रोजगार भी प्रदान किया है। यह केवल पर्यटकों की संख्या नहीं है, बल्कि रोजगार, परिवहन, होटल, होम-स्टे, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद, खानपान और छोटे कारोबारों के लिए पैदा होने वाले अवसरों का भी संकेत है। लेकिन इतनी बड़ी संख्या में पर्यटकों का हिमाचल आना जितना अवसर है, उतनी ही बड़ी चुनौती भी है। पहाड़ी प्रदेश की भौगोलिक सीमाएं मैदानी क्षेत्रों जैसी नहीं होती। यहां सडक़ें, पहाड़ों की वहन क्षमता, जलस्रोत सीमित हैं तथा पर्यावरण अत्यंत संवेदनशील है। इसलिए पर्यटन की सफलता को केवल पर्यटकों की संख्या से मापना उचित नहीं होगा। असली सफलता तब होगी, जब पर्यटक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर सके, स्थानीय व्यक्ति को रोजगार मिले, स्थानीय उत्पादों की बिक्री बढ़े और प्रकृति पर अनावश्यक दबाव न पड़े। प्रदेश में पर्यटन की सबसे बड़ी आवश्यकता उसके विकेंद्रीकरण की है। हिमाचल का पर्यटन अभी भी मुख्य रूप से शिमला, मनाली, कुल्लू, धर्मशाला और डलहौजी जैसे स्थापित पर्यटन केंद्रों के आसपास अधिक केंद्रित दिखाई देता है। जबकि चंबा, किन्नौर, लाहुल-स्पीति, मंडी, सिरमौर, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, सोलन और शिमला के दूरदराज क्षेत्रों में पर्यटन की अलग-अलग संभावनाएं मौजूद हैं। कहीं धार्मिक पर्यटन की संभावना है, कहीं साहसिक पर्यटन की, कहीं प्रकृति और वन्यजीव पर्यटन की, कहीं ग्रामीण पर्यटन की तो कहीं संस्कृति और विरासत पर्यटन की। वर्तमान में गांव-गांव तक सोशल मीडिया की पहुंच ने इस संभावना को और बढ़ा दिया है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य डिजिटल मंचों के माध्यम से हिमाचल के ऐसे अनेक अनछुए स्थल सामने आ रहे हैं जिनके बारे में कुछ वर्ष पहले तक बहुत कम लोग जानते थे। यह भी सत्य है कि पर्यटक अब केवल पारंपरिक पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह गांवों में जाना चाहता है, स्थानीय भोजन चखना चाहता है, पहाड़ी जीवन को समझना चाहता है और भीड़ से दूर प्रकृति के बीच समय बिताना चाहता है। अवसर हमारे सामने है, लेकिन उसे आर्थिक अवसर में बदलने के लिए आधारभूत ढांचे की आवश्यकता है। वर्तमान में भले ही सोशल मीडिया ने हिमाचल के अनछुए पर्यटन स्थलों को दुनिया तक पहुंचा दिया है, लेकिन केवल प्रचार से पर्यटन नहीं चलता। यदि बुनियादी सुविधाएं होंगी, तभी पर्यटक इन स्थलों पर रुकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। इसलिए अब पर्यटन का अगला कदम प्रचार नहीं, सुविधाओं और आधारभूत ढांचे के विस्तार पर केन्द्रित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आज जरूरत है, प्रत्येक जिले की पर्यटन क्षमता का वैज्ञानिक आकलन करके पर्यटन मास्टर प्लान बनाने की। हर जिले में कुछ ऐसे पर्यटन सर्किट विकसित किए जाने चाहिए, जिनमें धार्मिक स्थल, प्राकृतिक स्थल, साहसिक गतिविधियां, स्थानीय संस्कृति, हस्तशिल्प और स्थानीय खानपान को एक साथ जोड़ा जाए। इससे पर्यटक केवल किसी एक स्थल पर कुछ घंटे बिताकर वापस लौटने के बजाय किसी पूरे क्षेत्र में दो-तीन दिन रुक सकेगा। यही ठहराव स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। लेकिन अधिक पर्यटक हमेशा अधिक आय का पर्याय नहीं होते। कई बार अनियंत्रित भीड़ पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर भविष्य के पर्यटन को ही कमजोर कर देती है।

कुछ | अलग

गड्ढे में भाग्य

भाग्य को यह मुगालता था कि वह जहां रहता है, वहां लोग अमीर या खुशहाल हो जाते हैं। भाग्य खुद को लाटरी स्टैंड पर ले गया, लेकिन वहां जो हुआ उसे देख कर उसके छक्के छूट गए। उसने पहली बार स्वयं देखा कि वहां खड़ा रहा, तो उसका भी अस्तित्व मिट जाएगा। इसी व्यथा में उसने अमीरों की बस्ती छोड़ दी। जाहिर है अमीरों की नींद हराम हो गई। भाग्य समाजवादी होना चाहता था। उसे गरीब और पिछड़े वर्ग का ख्याल आ रहा था। वह पूछता हुआ जा रहा था, 'ये गरीब-पिछड़े वर्ग के लोग कहां मिलेंगे।' तभी उसे एक पत्रकार मिल गया। पत्रकार ने उसे पता नहीं लगने दिया कि वह कितना पिछड़ा-कितना गरीब है। पहली बार भाग्य को इतना गरीब देखकर पत्रकार ने इच्छा जाहिर की कि उसका इंटरव्यू करना चाहता है। भाग्य ने पत्रकार को इंटरव्यू के काबिल नहीं समझा, 'ये पत्रकारों के इंटरव्यू की वजह से ही सारे अमीर भारतीय विदेशों की ओर भागे हैं।'

आप का | नजरीया

जंगल से जुड़ा शोध

मानव बस्तियों में वन्य प्राणियों के बढ़ते हमलों ने अंततः ऐसे अध्ययन की जरूरत को पुख्ता किया, जो हिमाचल में चुनौती की तरह दर्ज है। मानव-वन्यजीव संघर्ष पर शोध के लिए एक परियोजना के तहत हिमाचल में केंद्र स्थापित होगा। घात में बैठे वन्य प्राणी अब बस्तियों में आहार खोजने लगे हैं, तो इनके प्राकृतिक वास, जलवायु परिवर्तन तथा जीवन के आहार में आ रही कमी इंगित हो रही है। चंद रोज पहले अर्की के ग्याना गांव में तेंदुए के हमले में एक दुकानदार की मौत अपने आप में कई कारणों की पड़ताल है। पचास वर्षीय हीरा सिंह दुकान में वेल्डिंग का कार्य कर रहा था कि आवारा तेंदुए ने उसे अपना शिकार बना लिया। अकेले भालुओं के हमले में पिछले तीन साल में 93 मामले सामने आए हैं। इनके साथ उत्पाती बंदरों का हिसाब जोड़ लें, तो घटनाओं का क्रम भयभीत करता है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के तत्वावधान में होने जा रहा अध्ययन वक्त की जरूरत है। हिमाचल में वनीकरण की दिशा में जो भी प्रयत्न हुए, वे एकतरफा सोच का नतीजा हैं। बदलती जीवनशैली-उजड़ते खेत और शहरी मानसिकता के प्रवेश के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष का नया दौर चल रहा है। बंदरों के कारण हिमाचल में खेतीबाड़ी को हुआ नुकसान अब ग्रामीण आर्थिकी को सिफर कर रहा है, तो विकास की मंजिलों का एक खतरा वन्य प्राणियों के प्रवास को बेचैन कर रहा है। हिमाचल की वन नीति के कारण हमने केवल वित्तीय व्यवस्था के लाभ गिने या ऐसा पौधारोपण कर लिया जो वन्य प्राणियों के माफिक नहीं था। जब से परिवेश में चारों तरफ चीड़ के पौधे उग आए हैं, तब से वन्य प्राणियों का निर्वाह जंगल में ही कठिन हो गया, नतीजतन ये समीपवर्ती मानव बस्तियों में अपना गुजारा खोजने लगे। सबसे पहले खेती पर आक्रमण हुए, तो सूअरों ने मिट्टी तक खोद दी और बंदरों ने सब्जी से फलों तक को छीन लिया। जंगल के प्रति जो आंकड़े हिमाचल ने चुनें, वे मानव संस्कृति, विकास की जरूरत, प्राकृतिक संसाधनों की आपूर्ति और पारंपरिक जीवन व मानव के वनाधिकारों के खिलाफ साबित हुए। अगर हिमाचल की 68 प्रतिशत भूमि वनों के अधीन आती है, तो जंगल जंगली प्राणियों के लिए अयोग्य साबित क्यों हुआ। मात्र 32 प्रतिशत भूमि पर अगर एक राज्य को मानवीय गतिविधियां, विकास की जरूरतें, आर्थिकी के विकल्प, कृषि-बागबानी, प्राकृतिक तथा जलसंसाधनों का इस्तेमाल करना है, तो पूरी वैज्ञानिक परिपाटी बदलनी होगी। इतना ही नहीं, पहले जब जंगल के बीच मानव जीवन की भागीदारी चलती थी, तो जीवन की मर्यादा भिन्न थी। जब चीड़ के पौधों के स्थान पर चारा, जड़ी-बूटियां और झाडिय़ां उगती थीं, तो पशु भी जंगल की खुराक से दूध ले आते थे। जड़ी-बूटियों तथा जंगली पौधों से मानव अपना उपचार-अपना आहार खोज लेता था। अब जंगल तो ताले में बंद है, लेकिन वन्य प्राणी मानव जीवन के ताले तोड़ रहे हैं। ऐसे में कल का अध्ययन हिमाचल के आंकड़ों में वन्य प्राणियों का दोष खोज भी ले, लेकिन वन्य संरक्षण अधिनियम के चाबुक से लिखी गई कठोर भाषा नरम न की गई, तो असंतुलन की बुनियाद पर खड़ी जंगल की चारदीवारी, सीधे-सीधे मानव जीवन के लिए और घातक ही साबित होगी। जंगल की परिभाषा सर्वप्रथम वन्य प्राणियों के लिए इतनी तो बदले कि ये वापस अपने प्राकृतिक वास में लौट जाएं और मानव जीवन के विकास के लिए वन भूमि का आबंटन इस शर्त पर मापा जाए कि आर्थिकी, रोजगार और भविष्य के समाधानों को आवश्यक धरती मिलती रहे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष पर शोध के लिए एक परियोजना के तहत हिमाचल में केंद्र स्थापित होगा। घात में बैठे वन्य प्राणी अब बस्तियों में आहार खोजने लगे हैं, तो इनके प्राकृतिक वास, जलवायु परिवर्तन तथा जीवन के आहार में आ रही कमी इंगित हो रही है। चंद रोज पहले अर्की के ग्याना गांव में तेंदुए के हमले में एक दुकानदार की मौत अपने आप में कई कारणों की पड़ताल है। पचास वर्षीय हीरा सिंह दुकान में वेल्डिंग का कार्य कर रहा था कि आवारा तेंदुए ने उसे अपना शिकार बना लिया। अकेले भालुओं के हमले में पिछले तीन साल में 93 मामले सामने आए हैं। इनके साथ उत्पाती बंदरों का हिसाब जोड़ लें, तो घटनाओं का क्रम भयभीत करता है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के तत्वावधान में होने जा रहा अध्ययन वक्त की जरूरत है। हिमाचल में वनीकरण की दिशा में जो भी प्रयत्न हुए, वे एकतरफा सोच का नतीजा हैं। बदलती जीवनशैली-उजड़ते खेत और शहरी मानसिकता के प्रवेश के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष का नया दौर चल रहा है। बंदरों के कारण हिमाचल में खेतीबाड़ी को हुआ नुकसान अब ग्रामीण आर्थिकी को सिफर कर रहा है, तो विकास की मंजिलों का एक खतरा वन्य प्राणियों के प्रवास को बेचैन कर रहा है। हिमाचल की वन नीति के कारण हमने केवल वित्तीय व्यवस्था के लाभ गिने या ऐसा पौधारोपण कर लिया जो वन्य प्राणियों के माफिक नहीं था। जब से परिवेश में चारों तरफ चीड़ के पौधे उग आए हैं, तब से वन्य प्राणियों का निर्वाह जंगल में ही कठिन हो गया, नतीजतन ये समीपवर्ती मानव बस्तियों में अपना गुजारा खोजने लगे। सबसे पहले खेती पर आक्रमण हुए, तो सूअरों ने मिट्टी तक खोद दी और बंदरों ने सब्जी से फलों तक को छीन लिया।

दृष्टि | कोण

ब्रिक्स के जरिए लाभान्वित होगा भारत

इन दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रहे राष्ट्रीय और वैश्विक विश्लेषणों में कहा जा रहा है कि 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत के लिए बहुआयामी आर्थिक उपयोगिताएं मिली हैं। इस ऐतिहासिक सम्मेलन ने न केवल भारत की साख को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए भारत के आर्थिक विकास का एक सुदृढ़ और विस्तृत खाका भी तैयार किया है। इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत ने दुनिया के प्रमुख विकसित और विकासशील देशों के सामने अपनी आर्थिक स्थिरता, नीतिगत निरंतरता और बाजार की असीम क्षमताओं का प्रभावी प्रदर्शन किया है। सम्मेलन ने भारतीय बाजार के लिए बहुराष्ट्रीय व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) के पुनर्गठन तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के क्षेत्र में असीम संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। इस 18वें ब्रिक्स सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा कि भारत अब वैश्विक आर्थिक नीतियों और वित्तीय संरचना के निर्धारण में एक निर्णायक नीति-निर्माता तथा ग्लोबल साउथ की सशक्त और भरोसेमंद आवाज बनकर उभरा है। सम्मेलन के दौरान वैश्विक वित्तीय प्रणालियों के लोकतंत्रीकरण पर विशेष बल दिया गया, जिसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमरीकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को धीरे-धीरे कम करने और सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं (लोकल करंसीज) में द्विपक्षीय व बहुपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी। स्थानीय मुद्रा में आयात-निर्यात के लेन-देन से भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुस्तरीय आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। इससे न केवल भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बना रहने वाला अनावश्यक दबाव काफी हद तक कम होगा, बल्कि वैश्विक बाजार में मुद्रा विनिमय (करंसी कन्वर्जन) के दौरान होने वाली अतिरिक्त वित्तीय लागत में भारी बचत होगी। परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय वस्तुएं और सेवाएं अधिक मूल्य-प्रतिस्पर्धी (कॉस्ट कंपैटिटिव) बन सकेंगी, जिससे देश के कुल निर्यात में क्रांतिकारी उछाल आने की पूरी संभावना है। आर्थिक मोर्चे पर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों को ब्रिक्स के साझेदार देशों- ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका तथा नए शामिल हुए सदस्य देशों से आने वाले पूंजीगत निवेश और उच्च तकनीक से अभूतपूर्व संबल प्राप्त होने जा रहा है। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक नियमों, सीमा शुल्क (कस्टम्स ड्यूटीज) की प्रक्रियाओं और विनियामक अनुपालनों में सरलीकरण लाने पर बनी सहमति से भारत में मैन्युफैक्चरिंग, भारी उद्योग, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में एक क्रांति का सूत्रपात होगा। वैश्विक कंपनियों द्वारा अपनी आपूर्ति श्रृंखला को विविधता देने और भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की रणनीति से देश में न केवल नए औद्योगिक गलियारों का निर्माण होगा, बल्कि बुनियादी ढांचे का भी अभूतपूर्व कायाकल्प होगा। इसके अतिरिक्त भारत ने अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और ई-गवर्नेंस मॉडल्स के सफल प्रयोगों से दुनिया भर में जो धाक जमाई है, उसे अब ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों और अफ्रीकी व एशियाई महाद्वीपों की उभरती अर्थव्यवस्थाओं में निर्यात करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे भारत का टेक-निर्यात बढ़ेगा और देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को एक वैश्विक पहचान और नई वित्तीय ताकत प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बीच भी चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 7.8 प्रतिशत की आश्चर्यजनक और मजबूत जीडीपी वृद्धि दर दर्ज की है। यह साबित करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्विक मंदी का प्रभाव न्यूनतम रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां एक ओर दुनिया भर में व्यापार की बाधाएं बढ़ रही हैं, वहीं भारत विभिन्न देशों के बीच इकोनॉमिक ब्रिजेज बना रहा है।

मानसा कोर्ट और चार स्कूलों के बाद मोहाली कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस अलर्ट

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में अदालतों और शिक्षण संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकियों के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। मानसा कोर्ट कांप्लेक्स और जिले के चार सरकारी स्कूलों को निशाना बनाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। इसी बीच मोहाली कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना सामने आई है। मानसा कोर्ट कांप्लेक्स में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की तलाशी के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है। पुलिस और सुरक्षा टीमें कोर्ट परिसर की जांच कर रही हैं। मानसा जिले के गांव खीवा कलां, हीरो कलां और अतला कलां के सरकारी स्कूलों के साथ मानसा शहर के सरकारी गर्ल्स स्कूल को भी धमकी में निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए संबंधित स्कूलों को एहतियातन खाली करवाया गया और पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस के अनुसार हीरो कलां गांव में एक संदिग्ध पत्र मिलने के बाद मामला सामने आया। पत्र में 21 सितंबर को कोर्ट और स्कूलों को नुकसान पहुंचाने की धमकी लिखी होने की बात कही गई है। पुलिस पत्र की प्रामाणिकता और उसे लिखने वाले की पहचान की जांच कर रही है। थाना सिटी-2 की प्रभारी बेअंत कौर के अनुसार पुलिस सभी संवेदनशील स्थानों पर तलाशी और जांच कर रही है। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु की बरामदगी की पुष्टि नहीं हुई है। मोहाली कोर्ट को लेकर सामने आई धमकी के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने की सूचना है। सूचना मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉयड को भी मौके पर बुलाया गया।

राजस्थान के सात नगर निगमों में महापौर का फैसला, भाजपा छह और कांग्रेस एक पर काबिज

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के 10 नगर निगमों में से सात में सोमवार को महापौर पद का फैसला हो गया। पांच नगर निगमों अजमेर, अलवर, बीकानेर, उदयपुर और पाली में पार्षदों ने मतदान किया, जबकि भरतपुर और भीलवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। सात निगमों में भाजपा ने छह और कांग्रेस ने एक महापौर पद हासिल किया। जयपुर, जोधपुर और कोटा में महापौर का चुनाव 25 सितंबर को होगा। अजमेर नगर निगम में कांग्रेस के 37, भाजपा के 32 और निर्दलीयों के 11 पार्षद हैं। 80 सदस्यीय निगम में बहुमत का आंकड़ा 41 है। इसके बावजूद भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस की किरण गढ़वाल को हराकर महापौर पद हासिल किया। अनामिका शर्मा को 43 और किरण गढ़वाल को 37 वोट मिले। पाली नगर निगम में कांग्रेस के 29, भाजपा के 21 और निर्दलीयों के 15 पार्षद हैं। 65 सदस्यीय निगम में बहुमत का आंकड़ा 33 है। भाजपा की नमिता बुबकिया महापौर निर्वाचित हुईं। उन्हें 33 वोट मिले, जबकि कांग्रेस की सुमित्रा जैन को तीन और कांग्रेस की बागी निर्दलीय राजबाला हिंगड़ को 29 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी को अपने 21 पार्षदों से 12 अधिक वोट मिले। वहीं कांग्रेस के 29 पार्षद होने के बावजूद उसकी अधिकृत प्रत्याशी को केवल तीन वोट मिले। अलवर नगर निगम में भाजपा के 28, कांग्रेस के 23, निर्दलीय 13 और बसपा का एक पार्षद है। 65 सदस्यीय निगम में बहुमत के लिए 33 वोट जरूरी थे। भाजपा की सुमनलता अग्रवाल ने कांग्रेस की कमलेश शर्मा को हराया। सुमनलता अग्रवाल को 42 और कमलेश शर्मा को 23 वोट मिले। उदयपुर नगर निगम में भाजपा के 53, कांग्रेस के 23 और अन्य चार पार्षद हैं। 80 सदस्यीय निगम में भाजपा पहले ही बहुमत में थी। भाजपा के पारस सिंघवी ने कांग्रेस की डॉ. पूनम कुंवर को हराया। सिंघवी को 55 और पूनम कुंवर को 25 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी को अपने पार्षदों की संख्या से दो अधिक वोट मिले। बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस के 42, भाजपा के 27, निर्दलीय 10 और आरएलपी का एक पार्षद है। 80 सदस्यीय निगम में बहुमत का आंकड़ा 41 है। कांग्रेस के अनिल कल्ला ने भाजपा के सुरेंद्र सिंह शेखावत को हराकर महापौर पद हासिल किया। कल्ला को 50 और शेखावत को 30 वोट मिले। कांग्रेस ने अपने 42 पार्षदों के साथ पहले से मौजूद बहुमत को महापौर चुनाव में भी बरकरार रखा। भरतपुर नगर निगम में भाजपा की अनुराधा सिंह निर्विरोध महापौर चुनी गईं। 65 सदस्यीय निगम में 36 निर्दलीय, 20 भाजपा, सात कांग्रेस, एक बसपा और एक आरएलपी पार्षद हैं। नाम वापसी के बाद अनुराधा सिंह अकेली उम्मीदवार रह गईं और उनका निर्विरोध निर्वाचन हुआ। इसी प्रकार भीलवाड़ा में भाजपा की जसवंत कंवर भी निर्विरोध महापौर चुनी जा चुकी हैं। 70 सदस्यीय निगम में भाजपा के 45, कांग्रेस के 10 और निर्दलीय 15 पार्षद हैं। यहां भी मतदान की जरूरत नहीं पड़ी। इस तरह सात नगर निगमों में भाजपा ने छह महापौर पद हासिल किए। भाजपा की ओर से अजमेर में अनामिका शर्मा, अलवर में सुमनलता अग्रवाल, उदयपुर में पारस सिंघवी, पाली में नमिता बुबकिया, भरतपुर में अनुराधा सिंह और भीलवाड़ा में जसवंत कंवर महापौर बनीं। बीकानेर में कांग्रेस के अनिल कल्ला महापौर निर्वाचित हुए। इनमें अजमेर, अलवर और पाली तीन ऐसे निगम रहे जहां भाजपा के पास वार्ड चुनाव के बाद स्पष्ट बहुमत नहीं था, लेकिन महापौर चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों ने बहुमत का आंकड़ा हासिल किया। अजमेर में भाजपा 32 से 43, अलवर में 28 से 42 और पाली में 21 से 33 वोट तक पहुंची।

रोजगार मेले में 3000 से अधिक पदों पर होगी सीधी भर्ती

10 हजार से 30 हजार रुपए तक मिलेगा वेतन

प्रयागराज (हिंस)। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रोजगार का बेहतर अवसर मिलने जा रहा है। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, 29-ए थॉर्नहिल रोड, प्रयागराज में 24 सितंबर को एक दिवसीय रोजगार महोत्सव-2026 आयोजित किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र की करीब 20 प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होंगी और विभिन्न पदों पर तीन हजार से अधिक अभ्यर्थियों की सीधे भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता और पद के अनुसार 10 हजार से 30 हजार रुपए तक मासिक वेतन दिया जाएगा। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक, बीटेक और एमबीए उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष आयु के बेरोजगार अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। मेले का आयोजन सुबह 10 बजे से होगा। इसमें अलग-अलग कंपनियां अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यता और संबंधित पद के लिए निर्धारित मानकों के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी करेंगी। अभ्यर्थियों को मेले में शामिल होने के लिए रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। इसके साथ ही अपने सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्र, अंकपत्र और जाति प्रमाणपत्र की छायाप्रति साथ लानी होगी। कंपनियों, रिक्त पदों, योग्यता और अन्य आवश्यक जानकारी अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। सहायक निदेशक सेवायोजन राजीव कुमार यादव ने बताया कि रोजगार महोत्सव का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जिले के योग्य बेरोजगार अभ्यर्थी समय से रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराकर मेले में प्रतिभाग करें। तीन हजार से अधिक पदों पर भर्ती का यह अवसर युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार पाने में मदद करेगा।

पंजाब में नशे के खिलाफ लड़ाई युवाओं का भविष्य बचाने का अभियान : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब की धरती कभी अपनी खुशहाली, जीवंतता और मेहनतकश युवाओं के लिए जानी जाती थी, लेकिन आज नशा पंजाब के युवाओं के भविष्य के सामने बड़ी चुनौती बन गया है। नशे के खिलाफ शुरू की गई मुहिम को जन आंदोलन का रूप देना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ यह लड़ाई किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि युवाओं और आने वाली पीढ़ी को बचाने की लड़ाई है। मुख्यमंत्री सोमवार को फाजिल्का जिला के अरनीवाला में नशा मुक्ति यात्रा के चौथे चरण के कार्यक्रम में शामिल हुए और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर से शुरू हुई यह यात्रा 30 सितंबर तक चलेगी तथा करीब 4, 000 किलोमीटर का सफर तय करते हुए पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश नशे के खिलाफ मजबूती से लड़ रहा है और समाज के प्रत्येक वर्ग को इस अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों से छह महीने में नशा खत्म करने का वादा किया था, लेकिन सरकार के कार्यकाल के अंतिम चरण में भी प्रदेश में नशे की समस्या गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने के वादे भी किए गए थे, लेकिन युवाओं को इसका कोई लाभ नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब के उद्योगपति जब उनसे चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मिले और हरियाणा में उद्योग स्थापित करने की इच्छा जताई, तो उन्होंने उनसे कहा कि वे पंजाब में ही उद्योग लगाएं और वहीं के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा पंजाब की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और आने वाला समय भाजपा का होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सरकार ने पारदर्शिता के साथ युवाओं को सरकारी रोजगार देने का काम किया है और *बिना खर्ची-बिना पर्ची* भर्ती व्यवस्था को मजबूत किया है।

राष्ट्र प्रथम होना चाहिए हर युवा का भाव : मुख्यमंत्री योगी

मेरठ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ की क्रांतिधरा पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का *युवा संवाद* कार्यक्रम में स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमने सत्ता संभालते ही युवाओं के लिए सरकारी भर्तियों को लेकर पारदर्शी व्यवस्था बनाई। अब तक 9.50 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है। परसों से फिर मिशन रोजगार शुरू हुआ है। मंगलवार सुबह फिर ढाई हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलेंगे। छह महीने में एक लाख युवाओं को नौकरी देंगे। यह क्रम अनवरत चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर युवा का भाव राष्ट्र प्रथम होना चाहिए। डबल इंजन सरकार युवा ऊर्जा को प्लेटफॉर्म दे रही है। हर क्षेत्र में युवा शक्ति समेत सभी वर्गों के लिए कार्य हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि पिछली सरकारों से तुलना कीजिए और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाइए। सीएम ने कहा कि आजाद भारत में मेरठ ने वह दौर भी देखा है, जब दंगे यहां की नियति बन गए थे। सीएम ने प्रदेश भर से लूटे व चोरी किए गए वाहनों को स्क्रैप किए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2017 में हमारे सामने वाहन चोरी के मामले आए तो हमने कहा कि वाहन कहां जा रहे हैं, पता चला कि मेरठ में कट रहे हैं। हमने प्रशासन से कहा कि बुलडोजर का स्टेयरिंग ऐसे घुमाओ कि यह कारोबार बंद हो, फिर यहां चोरी के वाहन कटने बंद हुए। मेरठ अब 12 लेन के एक्सप्रेसवे, नमो भारत रैपिड रेल के साथ जुड़ गया। सीएम ने कहा कि यूपी में साढ़े 9 साल में दंगा नहीं हुआ। मैंने पुलिस वालों से कहा कि मॉकड्रिल का प्रदर्शन ही कर दो ताकि दंगाई भूल न जाएं कि कार्रवाई कैसी होती है। अब डबल इंजन की सरकार है, इसलिए माता-पिता चिंतित नहीं होते हैं। 2017 के पहले हर मां-पिता को चिंता होती थी कि पश्चिमी उप्र में बच्चों को कैसे पढ़ाएं। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले यूपी को बीमारू कहा जाता था। यहां कोई आना नहीं चाहता था। यहां से पलायन होता था। अब यहां पलायन, दंगा, कर्फ्यू, चोरी के वाहन की बिक्री बंद हो गई। अब हर व्यक्ति पसंद के अनुरूप संस्थान व रोजगार का चयन कर सकता है। हमने मेरठ में प्रदेश का पहला खेल विश्वविद्यालय बनाया। ओडीओपी में खेल उत्पाद की ब्रांडिंग करके उसे पहचान दी। सीएम ने परोक्ष रूप से राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि हर कार्य को नकारात्मक भाव से देखने वाला युवा नहीं हो सकता। युवा का भाव सकारात्मक होता है। उसका दृष्टिकोण स्पष्ट होना चाहिए। भारत की युवा शक्ति ने पलायन नहीं किया, चुनौती को समस्या नहीं माना बल्कि समाधान का रास्ता निकाला। सीएम ने श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, स्वामी विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महाराणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह का भी जिक्र किया। सीएम ने कहा कि 2017 के पहले यूपी में महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई की बजाय उन्हें मुख्यमंत्री आवास पर सम्मानित किया जाता था, लेकिन अब यूपी में ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है, जिससे पाकिस्तान के आका भी कांप उठते हैं। यूपी के पास सर्वाधिक युवा वर्कफोर्स है। सभी ने बदलते भारत के साथ बदलते यूपी को देखा है। अब इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही विकास और विरासत का सम्मान है। मेरठ से 40-45 मिनट में दिल्ली की दूरी तय की जा सकती है। हमारे जनप्रतिनिधि अब गंगा एक्सप्रेसवे से साढ़े तीन घंटे में लखनऊ पहुंचते हैं। यह गति प्रगति का आधार है। सीएम ने युवाओं से कहा कि तकनीक से भागिए नहीं। उसके अनुरूप खुद को न ढालिए, बल्कि अपने अनुरूप उसे ढालिए। क्वांटम कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, एआई समेत हर फील्ड को टटोलिए, क्योंकि आपके पास संभावनाएं हैं। अच्छी पुस्तकों का अध्ययन कीजिए।

एशियन गेम्स में भारतीय निशानेबाजों के प्रदर्शन पर नीतीश कुमार ने दी बधाई

पटना (हिंस)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन पर जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। नीतीश कुमार ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल, पार्थ राकेश माने और हिमांशु ढिल्लों को बधाई देते हुए कहा कि तीनों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली एलावेनिल वलारिवान, सोनम उत्तम मस्कर और विदर्शा विनोद को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। नीतीश कुमार ने कहा कि देश के प्रतिभावान खिलाड़ी भारत की गौरवशाली पहचान हैं।

सैन्य अधिकारियों ने युद्ध के बदलते स्वरूप एवं आर्टिलरी के भविष्य पर किया मंथन

जनरल एसएफ रोड्रिग्स मेमोरियल सेमिनार का आयोजन

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट (तोपखाना रेजिमेंट) ने सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज के सहयोग से चंडीगढ़ के मानेकशॉ हॉल में *जनरल एसएफ रोड्रिग्स मेमोरियल सेमिनार* के चौथे संस्करण का आयोजन किया। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एसएफ रोड्रिग्स की याद में आयोजित इस वार्षिक सेमिनार में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, दिग्गज (पूर्व सैनिक), रक्षा उद्योग के प्रतिनिधि, शिक्षाविद और विषय विशेषज्ञ एक साथ आए। उन्होंने युद्ध के बदलते स्वरूप और आर्टिलरी के भविष्य पर गहन चर्चा की। सेमिनार में बताया गया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुनीत फ्रांसिस रोड्रिग्स, पीवीएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) के सैन्य आधुनिकीकरण में योगदान और दूरदर्शी दृष्टिकोण भारतीय सेना के लिए आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने 1990 से 1993 तक 15वें सेना प्रमुख के रूप में और बाद में 2004 से 2010 तक पंजाब के राज्यपाल के रूप में कार्य किया था। इस वर्ष के सेमिनार का विषय आर्टिलरी द्वारा नेटवर्क आधारित सटीक फायरिंग के माध्यम से असममित क्षमता था। इस विषय के तहत वैश्विक संघर्षों से मिली सीख और असममित सैन्य क्षमताओं के वैश्विक रुझानों पर चर्चा की गई। इसमें मल्टी डोमेन ऑपरेशंस में स्वचालन (ऑटोमेशन) और निर्णय लेने की श्रेष्ठता के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। युद्धक्षेत्र में तेज, सटीक और निर्णायक प्रभाव डालने में सक्षम सटीक मारक क्षमता, लंबी दूरी की फायरिंग और निर्बाध नेटवर्क इस सेमिनार के प्रमुख आकर्षण रहे। उद्घाटन भाषण देते हुए, महानिदेशक आर्टिलरी, लेफ्टिनेंट जनरल अनूप सिंघल ने इस बात पर जोर दिया कि तोपखाने की भविष्य की प्रभावशीलता केवल हथियारों की रेंज या कैलिबर पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में सेंसर, शूटर और निर्णय लेने वालों को एक नेटवर्क से जोड़ने की क्षमता पर निर्भर करेगी। मानवरहित हवाई प्रणालियों, युद्धक्षेत्र निगरानी प्रणालियों, उपग्रह और हवाई खुफिया जानकारी, सटीक लक्ष्य-प्राप्ति प्रणालियों और मजबूत कमांड-एंड-कंट्रोल नेटवर्क के साथ तोपों, रॉकेटों और मिसाइलों का एकीकरण दुश्मन के खिलाफ असाधारण युद्ध प्रभाव उत्पन्न करने में सक्षम बनाएगा। चर्चाओं में मारक क्षमता में असममिति की अवधारणा का परीक्षण किया गया, जहां तकनीकी एकीकरण, सटीकता, पहुंच, जवाबदेही और सूचना श्रेष्ठता अपेक्षाकृत छोटी सेनाओं को भी दुश्मन पर भारी नुकसान थोपने में सक्षम बना सकती है। अपने समापन भाषण में, पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, एवीएसएम, एसएम ने कहा कि आर्टिलरी रेजिमेंट उन्नत मारक क्षमता, सटीकता, एआई, स्वचालन, निरंतर निगरानी और नेटवर्किंग द्वारा संचालित एक व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। उन्होंने युद्धक्षेत्र की पूरी गहराई में सटीक और निर्णायक मारक क्षमता प्रदान करने में भारतीय तोपखाने को सक्षम बनाए रखने के लिए सिद्धांतों, तकनीकों, संगठनों और प्रशिक्षण पद्धतियों को लगातार विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

आम आदमी पार्टी पूरे राजस्थान में लड़ेगी पंचायती राज चुनाव

जयपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी राजस्थान आगामी पंचायती राज चुनाव में प्रदेशभर में चुनाव लड़ेगी। पार्टी के राज्य संगठन महासचिव विश्वेंद्र सिंह ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि बारां नगर परिषद में पार्टी की हालिया जीत के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों द्वारा पार्टी से संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवारों के आवेदन के लिए पार्टी की ओर से क्यूआर कोड जारी किया गया है, जिसके माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। प्रेस वार्ता में राज्य सचिव जुगल किशोर शर्मा भी मौजूद रहे। पार्टी के अनुसार बारां की जीत के बाद आम आदमी पार्टी से जुड़ने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है और युवाओं में भी राजनीतिक भागीदारी को लेकर रुचि बढ़ी है। पार्टी अधिक से अधिक युवाओं को आगामी पंचायती राज चुनाव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। आज पार्टी की शीतल राठौर ने नगर परिषद बाँरा सभापति के रूप में शपथ ली। पार्टी ने इसे राजस्थान में स्थानीय राजनीति में एक नई शुरुआत बताया।

बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए समाजसेवी

1000 से अधिक परिवारों के बीच बांटा सूखा राशन

भागलपुर (हिंस)। जिले के नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत रंगरा प्रखंड क्षेत्र के कौशकीपुर सहौरा पंचायत में बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए समाजसेवी हियालाल यादव आगे आए हैं। उन्होंने सोमवार को सहौरा गांव का दौरा कर करीब 1000 से अधिक बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच सूखा राशन वितरित किया। राहत सामग्री मिलने से प्रभावित ग्रामीणों को इस आपदा की घड़ी में बड़ी राहत मिली है। राशन वितरण के दौरान प्रभावित लोगों की समस्याओं को सुनते हुए समाजसेवी हियालाल यादव ने कहा कि वर्तमान में बाढ़ के कारण क्षेत्र की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। यहां की एक बड़ी आबादी को हर साल बाढ़ और भीषण कटाव की विभीषिका झेलनी पड़ती है, जिससे उनका जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है। उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान देने की अपील की है। हियालाल यादव ने सरकार से पुरजोर मांग करते हुए कहा कि क्षेत्र को इस आपदा से मुक्ति दिलाने के लिए बाढ़ और कटाव का कोई स्थायी समाधान निकाला जाए और इसके लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि हर वर्ष होने वाले इस भारी नुकसान से ग्रामीणों को बचाया जा सके। इस मौके पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

हम भारत के लोग के संदेश के साथ जयपुर में निकली लोकमंथन यात्रा

जयपुर (हिंस)। लोकमंथन-2026 के तहत सोमवार को जयपुर में *लोकमंथन यात्रा जयपुर महानगर* का आयोजन किया गया। गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन के बाद जलेबी चौक से उपमुख्यमंत्री एवं लोकमंथन-2026 आयोजन समिति की अध्यक्ष दीया कुमारी ने यात्रा रथ को रवाना किया। यात्रा के दौरान *हम भारत के लोग* के संदेश के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों, प्रबुद्धजनों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। यात्रा के मार्ग को आकर्षक रंगोलियों से सजाया गया था। शहर के विभिन्न स्थानों पर व्यापार मंडलों और समाजजनों की ओर से पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। इससे यात्रा मार्ग पर उत्सवी माहौल नजर आया। यात्रा में क्रीड़ा भारती से जुड़े राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने भी भाग लिया। खिलाड़ियों ने साइकिलिंग, स्केटिंग, फूटबॉल, कबड्डी और सतोलिया सहित पारंपरिक एवं आधुनिक खेल गतिविधियों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

बेहतर चिकित्सीय प्रबंधन से प्रदेश में मातृ मृत्युदर में कमी आई

जयपुर (हिंस)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और जरूरत का आकलन कर आवश्यकतानुसार भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों की संख्या और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं के आधार पर डॉक्टरों की जरूरत की मैपिंग की जाए, ताकि जरूरत के अनुसार मानव संसाधन उपलब्ध कराया जा सके। वी. श्रीनिवास सोमवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं फॉलोअप, प्रसव सखी कार्यक्रम तथा नवजात शिशु देखभाल सेवाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने 6 सितंबर से 17 सितंबर तक प्रदेश में हुई मातृ मृत्युदर की अस्पतालवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अस्पताल प्रभारियों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से प्रत्येक मामले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, नियमित फॉलोअप और प्रसव पूर्व जांच सेवाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। इसी का परिणाम है कि अगस्त की तुलना में सितंबर माह में मातृ मृत्यु के मामलों में कमी आई है। अगस्त माह में 73 मातृ मृत्यु हुई थी जबकि सितंबर माह में घटकर 35 रही है। मुख्य सचिव ने उदयपुर जिले में हुई मातृ मृत्यु को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के निदेशालय स्तर से टीम भेजकर वहां की व्यवस्थाओं और मामलों की विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान के साथ ही उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच और समय पर उपचार की सुविधा मिलना सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने मेडिकल कॉलेजों में मॉड्यूलर ओटी के अपग्रेडेशन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अस्पताल में होने वाले ऑपरेशन के भार के अनुसार मॉड्यूलर ओटी की जरूरत तय की जाए। उन्होंने जहां अतिरिक्त मॉड्यूलर ओटी की आवश्यकता हो, वहां इसकी संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू करने तथा जरूरत पड़ने पर बजट के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रसूताओं की सुविधा के लिए शुरू किया गया प्रसव सखी कार्यक्रम महत्वपूर्ण पहल है। इसे अस्पतालों में और बेहतर तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रसूता के अस्पताल पहुंचने से लेकर प्रसव और प्रसव के बाद तक उसे जरूरी सहायता और सुविधाएं आसानी से मिलें, इसके लिए संबंधित स्टाफ के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने प्रसव सखी कार्यक्रम के तहत अस्पतालों में किए जा रहे समन्वय और उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने मेडिकल कॉलेजों में संचालित नियोनेटल आईसीयू तथा जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित एसएनसीयू एवं एनआईसीयू की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों में जरूरी उपकरण, दवाइयां और प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध रहे। गंभीर स्थिति वाले नवजात शिशुओं को समय पर बेहतर उपचार मिले और आवश्यकता होने पर उन्हें उच्च चिकित्सा संस्थान में रेफर करने की व्यवस्था भी प्रभावी हो। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में सम्बद्ध मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा अन्य चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों की मेन्टॉरिंग नियमित रूप से जारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चारों प्रसव पूर्व जांच समय पर मिलें। इसके बाद प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद भी उन्हें जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि गर्भवती महिलाओं की देखभाल में किसी भी स्तर पर गैप नहीं रहना चाहिए। राठौड़ ने रेफरल सेवाओं को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,42,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बिरला समूह ने दिए बंगाल में निवेश बढ़ाने के संकेत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आदित्य बिरला समूह के निवेश और मौजूदा संयंत्रों के विस्तार को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और आदित्य बिरला समूह के चेयरपर्सन कुमार मंगलम बिरला के बीच मुलाकात हुई। बैठक के बाद शमिक भट्टाचार्य ने बताया कि बातचीत के दौरान पश्चिम बंगाल में बिरला समूह के निवेश और उसके मौजूदा प्लांट्स के विस्तार को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कुमार मंगलम बिरला ने बंगाल में निवेश बढ़ाने और अपनी औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार में रुचि दिखाई है। शमिक भट्टाचार्य के अनुसार, सरकार बदलने के बाद उन्होंने कुमार मंगलम बिरला को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि राज्य में उद्योग और निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं और बिरला समूह को भी बंगाल में अपनी गतिविधियों का विस्तार करना चाहिए। इसके बाद कुमार मंगलम बिरला की ओर से सकारात्मक जवाब मिला और दोनों के बीच मुलाकात हुई। शमिक ने बताया कि बैठक सकारात्मक रही और पश्चिम बंगाल में बिरला समूह के मौजूदा कारोबार तथा संयंत्रों के विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बिरला परिवार का पश्चिम बंगाल से पुराना संबंध रहा है और कारोबारी गतिविधियों के अलावा सामाजिक एवं संस्थागत स्तर पर भी परिवार की राज्य में मौजूदगी रही है। शमिक ने यह भी कहा कि अतीत में श्रमिक आंदोलन और औद्योगिक परिस्थितियों के कारण आदित्य विक्रम बिरला को अपना कार्यालय मुंबई स्थानांतरित करना पड़ा था, हालांकि बिरला परिवार का बंगाल से जुड़ाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ।

टाइटन छोटी कंपनियों में निवेश या अधिग्रहण को तैयार, त्योहारी और शादी के सीजन में मजबूत मांग का अनुमान

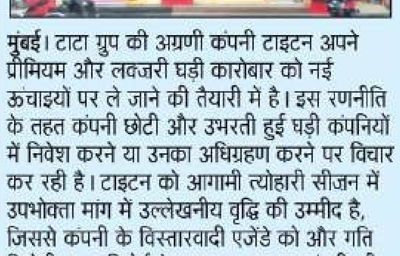

मुंबई। टाटा ग्रुप की अग्रणी कंपनी टाइटन अपने प्रीमियम और लक्जरी घड़ी कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। इस रणनीति के तहत कंपनी छोटी और उभरती हुई घड़ी कंपनियों में निवेश करने या उनका अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। टाइटन को आगामी त्योहारी सीजन में उपभोक्ता मांग में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है, जिससे कंपनी के विस्तारवादी एजेंडे को और गति मिलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार टाइटन कंपनी की एक अधिकारी ने इस वर्ष शादी के सीजन के जल्दी शुरू होने और दिवाली के देर से पड़ने के कारण मांग में मजबूती आने का अनुमान लगाया है। यह भी स्वीकार किया कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी अपनी आपूर्ति क्षमता बढ़ाने पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम बहुत मजबूत मांग की उम्मीद कर रहे हैं और त्योहारी सीजन की शुरुआत काफी अच्छी रही है। सच कहें तो, हमें बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए जरूरी आपूर्ति क्षमता सुनिश्चित करने में चुनौती आ रही है।

चीन पर निर्भरता घटाने के लिए पांच-सात हजार करोड़ की योजना लाए सरकार: एसीएफआई

नई दिल्ली। उद्योग निकाय एग्रो केम फेडरेशन आफ इंडिया (एसीएफआई) ने सरकार से कृषि रसायन तकनीकी और मध्यवर्ती उत्पादों में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 5,000 से 7,000 करोड़ रुपये की सहायता योजना लाने की मांग की है। यह कदम चीन के कम लागत लाभ का मुकाबला करने में मदद करेगा। परामर्श फर्म केपीएमजी के सहयोग से तैयार की गई एक रिपोर्ट में एसीएफआई ने सात से आठ वर्ष के कार्यक्रम का प्रस्ताव दिया है। इसमें संयंत्र स्थापित करने के लिए 2-3 वर्ष और उसके बाद उत्पादन सहायता शामिल है। रिपोर्ट में वृद्धिशील बिक्री पर 5-8 प्रतिशत प्रोत्साहन तथा औद्योगिक बिजली और साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों पर 30-40 प्रतिशत सब्सिडी देने की सिफारिश की गई है। यह योजना नई और मौजूदा विस्तार परियोजनाओं, दोनों के लिए बड़ी तथा छोटी इकाइयों को शामिल करते हुए निवेश की क्रमिक सीमा तय करेगी। रिपोर्ट में विशेष अनुसंधान एवं विकास के लिए पूंजीगत अनुदान की भी मांग की गई है। एसीएफआई ने जोर दिया कि किसी भी नीति का उद्देश्य स्थायी संरक्षण नहीं, बल्कि उन संरचनात्मक कमियों को दूर करना होना चाहिए जो प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचाती हैं।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एशियाई बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,650.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 104.25 अंक यानी 0.39 प्रतिशत उछल कर 26,522.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 169.53 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,852.17 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 156.66 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,659.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 121.91 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,065.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 412.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत लुढ़क कर 25,304.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.43 प्रतिशत टूट कर 6,413.75 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,395 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 5,669.06 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 124.78 अंक यानी 1.81 प्रतिशत की उछाल के साथ 7,019.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निक्केई इंडेक्स की चाल में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 882.70 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 65,018.95 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 391.77 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,572.52 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,933.37 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 123.22 अंक यानी 0.50 प्रतिशत उछल कर 24,874 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,592 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

किआ कैरेंस क्लैविस अब आटोमैटिक और नए विकल्प के साथ उपलब्ध

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय एमपीवी कैरेंस क्लैविस के आटोमैटिक वेरिएंट को अब किआ इंडिया निचले स्तर के वेरिएंट में भी उपलब्ध करा दिया है। कंपनी ने पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन के साथ आटोमैटिक विकल्प को निचले वेरिएंट तक पहुँचाया है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 14.67 लाख रुपये है। अब कैरेंस क्लैविस के एचटीई (ओ) वेरिएंट में 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ 7-स्पीड डीसीटी गियरबाक्स दिया गया है। इसी तरह, एचटीई (ईएक्स) वेरिएंट में भी यही टर्बो-पेट्रोल इंजन और डीसीटी मिलता है, जिसकी कीमत 15.22 लाख रुपये है।

डीजल पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए, एचटीई (ओ) वेरिएंट में 1.5-लीटर डीजल इंजन के साथ 6-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स उपलब्ध है और इसकी कीमत 15.82 लाख रुपये है। आटोमैटिक टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट की कीमत इसके मैनुअल विकल्प से 2.33 लाख रुपये अधिक है, जिसका कारण मैनुअल में 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और आटोमैटिक में ज्यादा शक्तिशाली 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन का मिलना है। आटोमैटिक वेरिएंट में कीलेस एंट्री, पुश-बटन स्टार्ट/स्टाप, इलेक्ट्रानिक पार्किंग ब्रेक और ड्राइव मोड जैसे कुछ अतिरिक्त फीचर भी मिलते हैं। कैरेंस क्लैविस में तीन इंजन विकल्प हैं: 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (115 पीएस), 1.5-लीटर टर्बो-पेट्रोल (160 पीएस), और 1.5-लीटर डीजल (116 पीएस)।

यह 6 और 7-सीट विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें पीछे की सीटों पर स्लाइड और रिक्लाइन सुविधा है। इसमें 12.3-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, और 6 एयरबैग तथा लेवल-2 एडीएएस जैसे सुरक्षा फीचर भी दिए गए हैं। किआ कैरेंस क्लैविस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.39 लाख रुपये है और यह मारुति अर्टिगा, टोयोटा इनोवा क्रिस्टा जैसी एमपीवी और महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ जैसी एसयूवी से मुकाबला करती है।

एचडीएफसी बैंक में नए सीइओ की प्रक्रिया तेज

मुंबई। देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर अगले एमडी और सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया के चलते निवेशकों के फोकस में हैं। बैंक ने इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दो नाम भेजे हैं, जबकि मौजूदा सीईओ शशिधर जगदीशन का कार्यकाल अक्टूबर 2026 में समाप्त होगा। इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने से ब्रोकरेज हाउसेस ने बैंक के शेयरों पर सकारात्मक रुख अपनाया है। जेफरीज, नोमुरा, बर्नस्टीन और मैक्वेरी जैसे ब्रोकरेज ने एचडीएफसी बैंक के शेयर पर बाय या आउटपरफार्म रेटिंग के साथ 880 से 1,150 रुपए तक के टारगेट दिए हैं; 1,150 रुपए का उच्चतम लक्ष्य है। ब्रोकरेज का मानना है कि समय पर सीईओ की नियुक्ति से नेतृत्व अनिश्चितता कम होगी। डिप्टी एमडी कैजाद भरूचा प्रमुख आंतरिक उम्मीदवार बताए जा रहे हैं। नोमुरा के अनुसार आंतरिक सीईओ निरंतरता लाएगा, जबकि बाहरी सीईओ रणनीति बदल सकता है। बाजार नए सीईओ की रणनीति पर भी नजर रखेगा। बैंक बोर्ड ने जिमी टाटा को होल-टाइम डायरेक्टर बनाने और एक अतिरिक्त पद का भी प्रस्ताव रखा है, जिससे दीर्घकालिक उत्तराधिकार योजना मजबूत होगी।

इक्विटी म्युचुअल फंड से जुड़ें, बाज़ार की तेजी का हिस्सा बनें

लंबी अवधि में धन सृजन का सशक्त माध्यम, समझें फायदे और जोखिम

नई दिल्ली

आज के दौर में निवेश के अनेक विकल्प हैं, लेकिन इक्विटी म्युचुअल फंड निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, खासकर लंबी अवधि में धन सृजन चाहने वालों के लिए। यह फंड निवेशकों के पैसे को शेयर बाजार में लगाते हैं और पेशेवर फंड मैनेजरों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो जोखिम को कम करते हुए बेहतर रिटर्न दिलाने का प्रयास करते हैं। इक्विटी म्युचुअल फंड दरअसल एक ऐसा निवेश माध्यम है जहाँ विभिन्न निवेशकों से एकत्रित धन को मुख्य रूप से शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इन निधियों का प्रबंधन अनुभवी फंड मैनेजरों द्वारा किया जाता है, जो बाजार अनुसंधान के आधार पर निवेश संबंधी निर्णय लेते हैं।

अगर शेयर की कीमतें बढ़ती हैं, तो फंड की कुल वैल्यू भी बढ़ती है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है। निवेशक इक्विटी म्युचुअल फंड में दो प्रमुख तरीकों से निवेश कर सकते हैं: एकमुश्त निवेश (लंपसम), जिसमें एक बार में बड़ी राशि लगाई जाती है; और व्यवस्थित निवेश योजना, जहां निवेशक हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश करते हैं। नए निवेशकों और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक माना जाता है।

जानकारों के अनुसार इक्विटी म्युचुअल फंड में निवेश कर निवेशक शेयर बाजार की ग्रोथ का हिस्सा बन सकते हैं। यह लंबी अवधि में धन बनाने का एक प्रभावी तरीका है, जिसमें पेशेवर फंड मैनेजरों की विशेषज्ञता से जोखिम को बेहतर ढंग से संभाला जा सकता है। इन फंडों के कई फायदे हैं, जैसे विविधीकरण (पैसा कई कंपनियों में बंटा होता है), पेशेवर प्रबंधन (विशेषज्ञों द्वारा निवेश संभाला जाता है), लंबी अवधि में आकर्षक रिटर्न की संभावना और आसान तरलता। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है, जिससे समय के साथ एक बड़ा कार्पस तैयार होता है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इक्विटी म्युचुअल फंड बाजार के जोखिमों से जुड़े होते हैं। इसलिए निवेशकों को अपनी जोखिम वहन करने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से समझना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के दौरान घबराहट में निर्णय लेने के बजाय, दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाए रखना और नियमित निवेश जारी रखना महत्वपूर्ण है।

ग्लोबल सेमीकंडक्टर बाजार, 2026 तक 1.6 ट्रिलियन डालर के पार

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते निवेश ने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक यह बाजार 1.6 ट्रिलियन डालर के आंकड़े को पार कर जाएगा, जो पहले के अनुमानों से डेढ़ गुना अधिक है। यह अनुमान एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में अमेरिकी और चीनी हाइपरस्केलर कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश का सीधा परिणाम है।

सैमसंग और एसके हाइनिक्स का दबदबा बरकरार रहेगा

कोरिया एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक के रिसर्च सेंटर द्वारा वैश्विक बाजार अनुसंधान कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2026 में वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार 1.6 ट्रिलियन डालर का आंकड़ा छू लेगा। यह आंकड़ा पिछले साल तक लगाए गए अनुमान से कहीं ज्यादा है, जिसमें 2030 तक ही 1 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने की संभावना जताई गई थी। इस तीव्र वृद्धि का मुख्य कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर संचालित करने वाली प्रमुख अमेरिकी और चीनी कंपनियों द्वारा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को तेजी से बढ़ाना है।

हालांकि, एआई उद्योग के कुछ हिस्सों में तकनीक पर नियंत्रण खोने की चिंताओं के चलते इसके विकास की रफ्तार धीमी करने की मांग भी उठ रही है, लेकिन बाजार की गति थमने का नाम नहीं ले रही। रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स कंपनी और एसके हाइनिक्स इंक द्वारा निर्मित मेमोरी चिप्स वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में आधे से अधिक हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद है, क्योंकि एआई सिस्टम द्वारा प्रोसेस किए जाने वाले डेटा की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। पिछले महीने के अंत तक डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी और एनएएनडी फ्लैश मेमोरी चिप्स की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में क्रमशः 4.4 गुना और 9 गुना की बढ़ोतरी देखी गई है। नवीनतम अनुमान बताते हैं कि अगले साल से मेमोरी चिप्स की कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है।

इसके बावजूद, मजबूत मांग के कारण वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वृद्धि जारी रहेगी और 2030 तक इसके लगभग 2 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बड़ी टेक कंपनियां सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स और एसके हाइनिक्स जैसी मेमोरी चिप निर्माता कंपनियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रही हैं, जिससे सेमीकंडक्टर उद्योग को पहले की तुलना में अधिक स्थिरता मिलेगी। उद्योग के सूत्रों के अनुसार एआई में निरंतर निवेश और एआई सेवाओं के विस्तार को देखते हुए निकट भविष्य में मेमोरी चिप बाजार की रफ्तार धीमी पड़ना मुश्किल है।

भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के हेटमायर, होप और कामिल से रहना होगा सावधान

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी क्रिकेट सीरीज में पूरी तैयारी से उतरना होगा। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद 6 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

इस दौरान भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ियों शिमरोन हेटमायर, शाई होप और नये खिलाड़ी कामिल पूरन से विशेष रुप से सावधान रहना होगा। इसका कारण है कि ये तीनों ही अच्छी लय में चल रहे हैं। हेटमायर ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के क्वालीफायर में शतक लगाकर आ रहे हैं। हेटमायर ने पूरे टूर्नामेंट में 45.87 की प्रभावशाली औसत से 367 रन बनाए थे। भारत दौरे पर वह केवल टी20 सीरीज का हिस्सा होंगे, लेकिन भारतीय पिचों पर उनका रिकार्ड बेहद अच्छा रहा है। से उनकी सर्वाधिक तीन अर्धशतकीय पारियां भारत में ही आई हैं, जो यह दर्शाती है कि उन्हें यहाँ खेलना कितना पसंद है। हेटमायर भारतीय गेंदबाजों के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं, जिसका सबूत उनके 2026 के टी20 अंतरराष्ट्रीय आंकड़े भी हैं। उन्होंने इस साल 40.43 के औसत से 566 रन बनाए हैं, जो उनकी मारक क्षमता को दर्शाता है।

वहीं दोनो ही प्रारुपों एकदिवसीय और टी20 में कप्तान शाई होप भी उन खिलाड़ियों में से हैं, जिन्हें भारतीय पिचों पर खेलना खूब रास आता है। भारत में उन्होंने अब तक 14 एकदिवसीय पारियों में तीन शतक और इतनी ही अर्धशतकीय पारियां खेली हैं, जहाँ उनका वनडे औसत 74.10 का प्रभावशाली रहा है। यह आंकड़ा उनकी निरंतरता और भारतीय परिस्थितियों में अनुकूलन क्षमता का प्रमाण है। टी20 प्रारूप में भी उनका बल्ला भारत आकर खूब चलता है। शाई होप वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ की हड्डी के समान होंगे, जिनके पास अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की अद्भुत क्षमता है और वे लंबी पारियां खेलने के लिए जाने जाते हैं।

30 वर्षीय कामिल पूरन को टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में चुना गया है। भले ही वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक नया चेहरा हों और अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रहे हों, लेकिन उनके टी20 आंकड़े उनकी जबरदस्त प्रतिभा की गवाही देते हैं। कैरेबियन प्रीमियर लीग के अपने सबसे पहले सीजन में उन्होंने 8 मुकाबलों में 273 रन बनाए और सेंट लूसिया किंग्स के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कामिल पूरन ने घरेलू सर्किट में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है और अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का मौका मिला है। इस आगामी सीरीज में सभी की निगाहें कामिल पर टिकी होंगी कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कैसा प्रदर्शन करते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

एशियाई खेलः पीटी उषा ने नामीबिया ओलंपिक समिति की सीईओ से की मुलाकात

आइची-नागोया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को नामीबिया राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एरी पार्कर से मुलाकात की। दोनों ने 2026 एशियाई खेलों के दौरान भारत और नामीबिया के बीच खेल संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इस बीच, साफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीणा की मिश्रित युगल जोड़ी ने एशियाई खेलों के राउंड आफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरुआत कंबोडिया की वीवा चाओ और चानरोसेका खुन को 5-0 से हराकर की। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला 4-1, 4-0, 4-2, 4-1, 4-2 के सेट स्कोर से जीता। इसके बाद आध्या और जय ने मंगोलिया के बुद न्यामदोरज और एंखखुसलेन गानबातर को भी 5-0 से हराया। इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 4-2, 4-1, 4-1, 4-0, 5-3 के सेट स्कोर से जीत दर्ज की। ग्रुप चरण के अपने अंतिम मुकाबले में भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई खेल कबड्डी : भारत ने जीत के साथ किया अभियान का आगाज, जापान को 49-24 से हराया

आइची-नगोया। मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान की जीत के साथ शुरुआत की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने टोकई सिटिज़न्स जिम्नेजियम में जापान को 49-24 से हराया। एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे अयान लोचब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आशु मलिक के साथ मिलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने पहले हाफ की समाप्ति तक 31-9 की मजबूत बढ़त बना ली। एक अन्य पदार्पण कर रहे देवांक दलाल ने भी आक्रमण में प्रभावी प्रदर्शन किया और भारत ने पहले 20 मिनट में जापान पर लगातार दबाव बनाए रखा। दूसरे हाफ की शुरुआत असलम इनामदार ने सफल रेड के साथ की। इसके बाद भी भारत ने मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। जापान ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 15 अंक हासिल किए, जबकि भारत ने 18 अंक जोड़े, लेकिन तब तक भारतीय टीम ने निर्णायक बढ़त बना ली थी। भारत ने 36 आउट अंक, आठ आलआउट अंक और दो सुपर टैकल अंक हासिल किए, जबकि जापान के खाते में नौ बोनस अंक रहे। भारत का अगला मुकाबला ग्रुप ए में दक्षिण कोरिया से होगा।

पनेसर ने वैभव की तकनीक पर सवाल उठाये, टेस्ट में सफलता पर संदेह जताया

लंदन। इंग्लैड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पानेसर ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की तकनीक पर सवाल उठाये हैं। पनेसर का कहना है कि आजकल वैभव की काफी चर्चाएं हैं और वह भी टेस्ट खेलने को लेकर दावेदारी पेश कर रहे हैं पर मेरा मानना है कि वह इसमें शायद ही सफल हो पायें। पानेसर ने वैभव की टेस्ट तकनीक पर भी सवाल उठाये हैं। हाल ही में वैभव ने दलीप ट्राफी में ने तीन मैचों में दो अर्धशतकों सहित 151 रन बनाकर बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और टेस्ट टीम के लिए दावेदारी पेश की है। स्वयं वैभव ने कई मौकों पर कहा है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है और वह आगे चलकर भारत के लिए इस प्रारूप में खेलना चाहते हैं वहीं पानेसर का मानना है कि वैभव के पास टेस्ट क्रिकेट के लिए आवश्यक तकनीक नहीं है। पानेसर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट में ढल पाएंगे। अभी हैरी ब्रूक ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो टेस्ट और टी20 दोनों में शीर्ष 10 में हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि सूर्यवंशी के पास वह तकनीक है जो टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी है। वहीं, आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क पनेसर से सहमत नही दिखते। उन्होंने एबी डिविलियर्स और विराट कोहली जैसे महान खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि वैभव सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। क्लार्क ने तर्क दिया, मुझे लगता है कि आप तीनों प्रारूप खेल सकते हैं। विराट कोहली और एबी डिविलियर्स ने यह करके दिखाया है।

एशियाई खेल : 10 मीटर एयर राइफल में हिमांशु ढिल्लों ने जीता रजत, रुद्रांक्ष ने साधा कांस्य पर निशाना

आइची-नागोया

भारतीय निशानेबाज हिमांशु ढिल्लों और रुद्रांक्ष पाटिल ने 2026 एशियाई खेलों में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। चीन के शेंग लिहाओ ने करीबी मुकाबले में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रुद्रांक्ष ने फाइनल में शानदार शुरुआत की।

पहली सीरीज में 52.8 अंक हासिल कर उन्होंने शुरुआती बढ़त बनाई और दूसरी सीरीज में 53.2 अंक के साथ अपनी बढ़त को 1.1 अंक तक पहुंचा दिया। हिमांशु भी लगातार पदक की दौड़ में बने रहे और कुछ समय के लिए दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

12 शाट के बाद रुद्रांक्ष 127.4 अंक के साथ शीर्ष पर थे, जबकि हिमांशु 126.6 और शेंग लिहाओ 126.3 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।

मुकाबला मध्य चरण में भी बेहद करीबी रहा।

16 शाट के बाद शेंग 168.8 अंक के साथ बढ़त पर पहुंच गए, जबकि रुद्रांक्ष और हिमांशु 168.6-168.6 अंक के साथ बराबरी पर थे। हिमांशु ने इसके बाद 10.9 का शानदार शाट लगाकर रुद्रांक्ष से अंतर केवल 0.1 अंक कर दिया, लेकिन अगले शाट में 9.8 अंक आने से वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। हालांकि, उन्होंने 10.6 के शाट के साथ वापसी की और पदक की दौड़ में बने रहे।

20 शाट के बाद शेंग ने अपनी बढ़त एक अंक तक पहुंचा ली। रुद्रांक्ष 210.6 और हिमांशु 210.0 अंक के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।

इसके बाद मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया। 22 शाट के बाद रुद्रांक्ष 230.9 अंक के साथ बाहर हो गए और हिमांशु 231.0 अंक के साथ उनसे केवल 0.1 अंक आगे रहे। इससे पहले रुद्रांक्ष का 9.7 का शाट उनके लिए महंगा साबित हुआ और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

इसके बाद स्वर्ण पदक के लिए हिमांशु और शेंग के बीच मुकाबला हुआ।

दोनों ने अंतिम शाट में 10.6 अंक हासिल किए, लेकिन शेंग ने कुल 233.0 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। हिमांशु 231.0 अंक के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहे।

इस परिणाम के साथ भारत ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक के रूप में दोहरी सफलता हासिल की।

इससे पहले रुद्रांक्ष, पार्थ माने और हिमांशु ढिल्लों की भारतीय टीम ने पुरुष 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता था। भारत ने 1890.1 अंक हासिल किए थे, जबकि चीन ने 1899.0 अंकों के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 1841.4 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता था।

साफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीणा ने मिश्रित युगल के ग्रुप बी में कंबोडिया की वीवा चाओ और चानरोसेका खुन को 5-0 से हराकर अभियान शुरू किया। उन्होंने मंगोलिया के बुद न्यामदोरज और एंखखुसलेन गानबातर को भी हराया, लेकिन दक्षिण कोरिया के किम योन-ह्वा और जैक्यू पार्क से हार गए। इसके बावजूद भारतीय जोड़ी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही और राउंड आफ 16 में पहुंच गई।

तैराकी में श्रीहरि नटराज ने पुरुष 50 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में जगह बनाई, जबकि ऋषभ दास रिजर्व खिलाड़ी हैं। मणि आकाश और गितेश शाह पुरुष 50 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में जगह नहीं बना सके। धनुष सुरेश भी पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक के फाइनल में नहीं पहुंच सके।

वुशु में न्येमान वांगसू महिला चांगक्वान फाइनल में 15वें स्थान पर रहीं। टेबल टेनिस में भारतीय महिला टीम ने ग्रुप एफ के मुकाबले में पाकिस्तान को 3-0 से हराया।

भारत-जापान के बीच पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला, सुजुकी कप में इतिहास रचने की तैयारी

टोक्यो।

भारत और जापान मंगलवार, 22 सितंबर को सुजुकी कप में पहली बार पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में आमने-सामने होंगे। तोचिगी प्रांत के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाला यह ऐतिहासिक मुकाबला भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ समारोह की शुरुआत का भी हिस्सा होगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा और इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम हाल में मिली श्रृंखला जीत के बाद जापान में मैदान पर उतरेगी।

यह मुकाबला जापान के खिलाड़ियों के लिए दुनिया की शीर्ष टी20 टीमों में शामिल भारत के साथ खेलने का बड़ा अवसर होगा। वहीं भारतीय टीम भी जापान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार फार्म को जारी रखने की कोशिश करेगी।

भारत की ओर से कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह और ईशान किशन सहित कई प्रमुख खिलाड़ी मैदान पर नजर आएंगे। जापान के खिलाड़ियों के सामने भारतीय टीम की मजबूत चुनौती होगी।

सुजुकी कप केवल क्रिकेट मुकाबले तक सीमित नहीं है। यह जापान में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और भारत-जापान के बीच खेलों के माध्यम से मजबूत होते संबंधों को भी रेखांकित करेगा। यह मुकाबला स्पोर्ट 75 पहल का पहला कदम होगा, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच लोगों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है।

भारत और जापान के बीच पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला, मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम की मौजूदगी और दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ समारोह इसे विशेष अवसर बना रहे हैं। भारत-जापान मुकाबला 22 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीधा प्रसारित किया जाएगा।

एसए टी-20 लीग का पांचवा सत्र होगा विशेष, मिचेल मार्श से लेकर सैम कुरेन तक खेलेंगे

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए टी-20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के आलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकाक, मैथ्यू ब्रीज्के, जार्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा। वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं। उन्हें शीर्ष क्रम में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट और आस्ट्रेलिया के मैट शार्ट जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल गए हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम में ह्रदोय और जाकिर शामिल

ढाका

बांग्लादेश की टीम अगले माह अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगी। इसके लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम में बदलाव करते हुए तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को आराम देते हुए युवा युवा बल्लेबाज तौहीद ह्रदोय को शामिल किया है। इसके अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज जाकिर अली को भी टीम में जगह मिली है।

यह एकमात्र टेस्ट मैच 9 से 13 अक्टूबर के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तटस्थ स्थान पर खेला जाएगा। टीम में वापसी कर रहे तौहीद ह्रदोय ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ एक अभ्यास मैच में 350 रनों की अविश्वसनीय नाबाद पारी खेलकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन ने उन्हें सीधे टेस्ट टीम में वापसी का मार्ग प्रशस्त किया है और वह अपनी इस फार्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दोहराने को उत्सुक होंगे। उनका यह प्रदर्शन भविष्य के लिए बांग्लादेश क्रिकेट में एक मजबूत बल्लेबाजी विकल्प के तौर पर उनकी पहचान बनाता है।

बीसीबी के मुख्य चयनकर्ता हबीबुल बशर ने टीम चयन और खासकर तस्कीन अहमद को आराम देने के फैसले पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमने इस टेस्ट मैच में तस्कीन को आराम देने का

निर्णय लिया है, क्योंकि हमारी प्राथमिकता विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में उनकी पूरी सेवाएं मिल सकें। बशर ने आगे बताया कि तस्कीन अपनी लय और मैच फिटनेस हासिल करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खेल सकते हैं, क्योंकि वह पहले से ही टेस्ट मैच खेल रहे हैं। यह रणनीति उनकी दीर्घकालिक फिटनेस और महत्वपूर्ण मैचों में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अपनाई गई है।

वहीं जाकिर अली के चयन पर बशर ने कहा, हमने अमिते हसन की जगह जाकिर अली को शामिल किया है, क्योंकि उनकी फार्म अच्छी है। जाकिर, अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल के लिए जाने जाते हैं, जो टीम को निचले क्रम में मजबूती प्रदान कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर तेज रन भी बना सकते हैं। उनकी आलराउंड क्षमता टीम के संतुलन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यूएई में तटस्थ स्थान पर यह टेस्ट मैच खेला जाना दोनों टीमों के लिए एक नया अनुभव होगा।

ऋषभ को अब एकदिवसीय में अवसर मिलने की संभावना नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि जिस प्रकार से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में शामिल नहीं किया गया है उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में शायद ही अवसर मिले। चोपड़ा के अनुसार लगता है चयनकर्ताओं ने सफेद गेंद के क्रिकेट में ऋषभ के भविष्य को लेकर फैसला कर लिया है, और उनकी राय में यह लगभग अलविदा कहने जैसा है। उन्होंने कहा, ऋषभ त का मामला बहुत ही अजीब और अनोखा है।

हालांकि, वह टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं और लाल गेंद की टीम के एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य हैं, फिर भी वहां उनसे उप-कप्तानी की जिम्मेदारी ले ली गई। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में बिना खेले ही उन्हें एक तरह से बाहर कर दिया गया है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि हालांकि ये क्रिकेट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी

बने हुए हैं पर एकदिवसीय टीम में उनकी जगह बदलती दिख रही है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने उन्हें ईरानी कप के लिए शेष भारत का कप्तान बनाए जाने को लेकर कहा कि लाल गेंद के क्रिकेट में ये एक प्रकर से उन्हें महत्व दिये जाने का संकेत है। उन्होंने कहा, साथ ही उन्हें रेस्ट आफ इंडिया का कप्तान बनाया गया है, जो यह भी बताता है कि लाल गेंद के क्रिकेट के संबंध में वे ऋषभ के लंबे प्रारूप में बड़ी भूमिका निभाने को लेकर बहुत गंभीर हैं, लेकिन सफेद गेंद के क्रिकेट के लिए, फिलहाल मुझे लगता है कि इस समय चयन समिति ने अपना मन बना लिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत ने 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं, और चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस बल्लेबाज पिछले चार वर्षों में केवल एक एकदिवसीय खेला है। वहीं साल 2024 टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद उन्हें टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए विकेटकीपिंग के विकल्पों में ध्रुव जुरेल को मौका दिया गया है, जबकि श्रेयस अय्यर की जगह केएल राहुल को उप-कप्तान बनाया गया है।

चोपड़ा ने 2027 विश्व कप की तैयारी के तहत भारत के व्यापक वनडे समूह में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा की भविष्यवाणी की, जो दोनों इस टीम का हिस्सा हैं और जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने प्रभावित किया है। उन्होंने तेज गेंदबाज आकिब नबी का भी समर्थन किया और उम्मीद जताई कि अगर उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो वह इसका पूरा फायदा उठाएंगे। साथ ही कहा कि कि भारतीय क्रिकेट एक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां युवा प्रतिभाओं को तराशने और भविष्य के लिए एक मजबूत टीम बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

लिविंग रूम को स्टाइलिश बना देंगे ये लैंप

घर में लिविंग रूम सबसे खास होता है। यह घर को वो खास हिस्सा है जहां पर आप मेहमनों का स्वागत कर सकते हैं और सारे दिन की थकावट भी इसी रूम में आराम करके उतर जाती है। इस खास जगह का इंटीरियर भी अगर शानदार हो तो यहां समय बिताने में बहुत मजा भी आता है। आजकल लोग घर के इंटीरियर को लेकर बहुत चूजी हो गए हैं। वह घर में हर चीज को स्टाइलिश तरीके से रखना पसंद करते हैं। पहले सिर्फ सोफे और कुर्सी को इंटीरियर का खास हिस्सा माना जाता था लेकिन अब इसमें वॉल डैकोरेशन,शो पीस,प्लांटस के साथ-साथ लैंप को भी इसके साथ जोड़ा जा रहा है। घर की खूबसूरती और भी बढ जाती है स्टाइलिश चेयर और सोफे के साथ लैंप भी शानदार हो। इससे घर को रॉयल लुक भी मिलती है। आजकल बाजार में बहुत तरह के लैंप आसानी से मिल जाते हैं,जिसे आप अपने लिविंग रूम का खास हिस्सा बना सकते हैं।

इस तरह के लैंप टेबल पर नहीं बल्कि फ्लोर पर रखने वाले होते हैं। जो सिंपल से सोफा और चेयर सैट को भी स्टाइलिश लुक देता है। आप अपने फर्नीचर या फिर रूम के कलर के हिसाब से मैच करके भी रख सकते हैं। रूम को लग्जरी लुक देना चाहते हैं को इस तरह के लैंप आपके लिए बैस्ट हैं। कम फर्नीचर के साथ भी यह कमरे की खूबसूरती को बढ़ा देते हैं।

मॉडर्न स्टाइल से घर को सजाना है तो इस तरह के लैंप बहुत अच्छे लगते हैं। इनकी लैंथ फ्लोर से बहुत ऊंची होती हैं।

इस तरह बनाए पुराने स्मार्टफोन से सीसीटीवी कैमेरा

अक्सर लोग नया फोन लेते समय लोग आपने पुराने स्मार्टफोन को फैंक देते है। अगर आपका फोन ठीक से काम करता हो तो आप उसे बेच देते है या फिर उसे घर पर ऐसे ही पड़ा रहने देते है लेकिन अब आप उसे बेचने की बजाए घर के लिए सीसीटीवी कैसरा बना सकते है। इससे आपको पुराना फोन कम दाम पर बेचना भी नहीं पड़ेगा और वो आपके काम भी आ जाएगा।

ऑफिस या घर पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए काफी पैसे खर्च कर देते है लेकिन मंहगा होन के कारण कई लोग इसे खरीद नहीं पाते है। पुराने फोन की मदद से आप घर के लिए बिना किसी मदद के सीसीटीवी कैसरा बना सकते है। इससे आपके पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ेगें और आपके घर के लिए सीसीटीवी कैसरा भी बन जाएगा। स्मार्टफोन से घर के लिए सीसीटीवी कैसरा बनाने के लिए आप उसमें सीसीटीवी ऐप को डाउनलोड कर लें। प्ले स्टोर में सीसीटीवी सर्च करने पर आपको कई ऐप मिल जाएंगे।

डाउनलोड होने के बाद यूजर अपनी गूगल अकाउंट की डिटेल को ऐप में डाल दें। डिटेल देने के बाद आपको इसमें कैमरा और व्यूअर नजर आ जाएगा। नेक्सट करने के बाद कैमरे के स्क्रीन व्यू को सिलेक्ट करें। इससे आपका स्मार्टफोन ब्लैंक या फिर विजिबल मोड पर आ जाएगा। अब आप इसे घर की सेफ्टी के लिए इस्तेमाल कर सकते है। आप इससे स्क्रीन रिकॉर्डिंग भी कर सकते है।

जिसे आप बाद में देख सकते है। अगर आपका फोन चार्ज नहीं होगा तो आप रिकॉर्डिंग को देख नहीं पाएगें। इसलिए समय-समय पर अपने फोन को चेक करते रहें और बैटरी लो होने पर इसे चार्ज कर लें। इसे आप अपने टीवी के साथ भी कनेक्ट कर सकते है।

बेकार रस्सियों से बनाएं घर के लिए क्रिएटिव चीजें

घर में बहुत सी बेकार चीजें होती है, जिन्हें आप इस्तेमाल करने की बजाए फैंक देती है। उसी तरह घर में पड़ी बेकार रस्सी को भी आप बिना उसके फायदे जाने फैंक देती है। घर में पड़ी बेकार रस्सी का इस्तेमाल आप अपने घर के लिए टोकरी बना सकती है। इस टोकरी का इस्तेमाल आप किचन से लेकर मेकअप का सामान रखने के लिए कर सकती है। आइए जानते है कि किस तरह से आप बेकार रस्सीयों से अपने घर की सजावट कर सकती है।

जरूरी सामान

रस्सी से कलाकृति बनाने के लिए आपको बेकार रस्सी, प्लॉस्टिक का टब (किसी भी साइज का), ग्लू, कलर चाहिएं होंगे।

बनाने का तरीका

1. सबसे पहले तो टब को प्लास्टिक बैग में लपेट दें। इसके बाद इसके ग्लू से रस्सी को चारों तरफ लपेटते हुए चिपका दें।
2. अच्छी तरह से चारों तरफ रस्सी चिपकाने के बाद टब के सखने के लिए रख दें। सूखने के बाद आप टब को धीरे-धीरे रस्सीयों के अंदर से निकाल लें।
3. टब निकालने के बाद इसे थोड़ी देर और सूखने के लिए रख दें। जब टब अच्छी तरह से सूख जाएं तो इसपर आप अपनी पंसद से कोई भी कलर कर दें। इसके अलावा इस आप अपनी पसंद से फूल भी लगा सकती है।
4. इस सुंदर टोकरी में आप किचन या घर का कोई भी सामान रख सकती है। इसके अलावा इस तरीके से छोटी टोकरी बना कर आप इसमें अपना मेकअप का समान भी रख सकती है।
5. टोकरी बनाने के अलावा इससे आप घर की बाकी चीजे जैसे फोटो फ्रेम, मिरर या फिर कोई भी सामान डेकोरेट कर सकती है। इसकी टोकरी बना कर आप उसमें फूलों को लगा कर गार्डनिंग भी कर सकती है।

विवाह कार्ड में भी लोग अपनाते हैं वास्तु नियम

हर लड़का और लड़की का सपना होता है कि वह शादी करें। आजकल के लोग शादी के हर फकंशन को पूरी तरह से एन्जाय भी करते है। शादी से जुड़ी हर रस्म को लोह बहुत अरमानों के साथ निभाते हैं। कहा जाता है कि अगर किसी काम की शुरूवात अच्छे से हो तो सारी जिंदगी अच्छे से गुजरती है। इसी तरह शादी की शुरूवात भी न्योते यानि मेहमानों को बांटे जाने वाले कार्ड से होती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये निमंत्रण पत्र भी वास्तु के हिसाब से ही होने चाहिए। इसका पूरा असर वर-वधू की जिंदगी पर पड़ता है।

काले अक्षरों में न लिखाएं नाम

शादी के कार्ड पर वर-वधू का नाम काले अक्षरों में नही लिखवाना चाहिए। इससे अशुभ घटनाएं घटने का डर रहता है।

वास्तु के अनुसार कार्ड

शादी के कार्ड का आकार और रंग भी साकारात्मक और नाकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करता है। कार्ड बनवाने से पहले वास्तु के हिसाब से ही कार्ड के अक्षरों का रंग और स्टाइल का चुनाव करें।

कार्ड का आकार

कार्ड का आकार लाइफ पर भी असर डालता है। टेढे-मेढे आकार के कार्ड साकारात्मक ऊर्जा का संचार नहीं करते। वर्गाकार आकार के कार्ड सबसे बेहतर हैं।

रंगों का चुनाव

शादी के निमत्रंण पत्र में रंगों को भी खास ख्याल भी रखना चाहिए। बैंगनी,ऑफ व्हाइट,ग्रे और काले रंगों का इस्तेमाल कार्ड में न करें। लाल,पीला और हरा रंग शुभ संकेत है और यह साकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है।

न करें तस्वीरों का इस्तेमाल

आजकल लोग शादी के कार्ड पर दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरें लग देते हैं। इन कार्ड को लोग बाद में फैक देते हैं जो शुभ संकेत नहीं है। इससे दोनों की सेहत और खुशियों पर बुरा असर पड़ता है।

कमल का फूल

कमल के फूल को बहुत शुभ माना जाता है। कार्ड किसी न किसी रूप में कमल की आकृति जरूर छपवाएं। इससे जिंदगी में खुशियां आती हैं।

पथरी से बचना चाहते हैं तो, इन चीजों से बना लें दूरी

रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने खान-पान का ध्यान रख पाते हैं। इसी वजह से वे कई गंभीर बीमारियों को न्यौता दे रहे हैं। ऐसी ही कुछ चीजें हैं जिन्हें खाने से आप पथरी का शिकार बन रहे हैं इसलिए इन चीजों से आपको दूर रहना चाहिए।

- पालक में ऑक्सलेट होता है जो कैल्शियम के मिलकर उसे बांध लेता है और यूरीन में नहीं जाने देता। इसलिए अगर पथरी से बचना चाहते हैं तो पालक का कम सेवन किया करें।
- टमाटर के बीजों में ऑक्सलेट भरपूर मात्रा में होता है। इसलिए हमेशा टमाटर के बीज निकालकर ही इसका इस्तेमाल करें।
- सी फूड्स में प्यूरीन नाम का तत्व मिला होता है। इसकी वजह से शरीर में ज्यादा यूरिक एसिड बनने लगता है। इसलिए इनका सेवन कम किया करें । क्योंकि यूरिक एसिड से पथरी होने की संभावना बढ़ जाती है।
- सोडियम की ज्यादा मात्रा लेने से भी पथरी की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए पथरी से दूर रहने के लिए नमकीन चीजों का सेवन कम से कम करें।
- पथरी की परेशानी से दूर रहने के लिए सोडा कम से कम पिएं। दरअसल, इसमें फॉस्फोरिक एसिड होता है । जिससे स्टोन होने का खतरा बढ़ता है।

सोराइसिस से बचाती है हल्दी, एंटी सेप्टिक गुण

सोराइसिस त्वचा का ऐसा गंभीर रोग है, जिसमें त्वचा की पर्त बदसूरत व बदरंग होने लगती है। यह रोग अधिकतर खून की खराबी से उत्पन्न होते हैं। सोराइसिस होने का एक मुख्य कारण शरीर में अम्ल व क्षार का असंतुलन और इम्यून सिस्टम के कमजोर होने के कारण होता है। यह रोग अधिकतर खून की खराबी से उत्पन्न होते हैं। सोराइसिस में हल्दी का प्रयोग फायदेमंद होता है। हल्दी औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके एंटीबैक्टीरियल और एंटी सेप्टिक गुण सोराइसिस की बीमारी से बचाव करते है।

सोराइसिस का इलाज

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटी सेप्टिक गुण होते हैं। इसमें इंफेक्शन से लड़ने के गुण भी पाए जाते हैं। इसमें सोराइसिस जैसे त्वचा संबंधी रोगों से बचाव के गुण होते हैं। हल्दी में छः प्रतिशत एक हरे भूरे रंग का कर्पूर की सी गन्ध वाला उड़नशील तेल पाया जाता है तथा इसमें करक्यूमिन नामक रंजक द्रव्य होता है। इसके अतिरिक्त इसमें स्टार्च एवं एल्ब्यूमिनॉयड पाए जाते हैं।

हल्दी का रक्त विकार एवं त्वचा रोगों की अन्य औषधियों के साथ उपयोग होता है। हल्दी पूरी तरह से एंटी बायोटिक होती है। इसलिए इसके सेवन से आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है और बीमारी होने की संभावना कम होती है। हल्दी खून को साफ करती है और ऊर्जा को निर्मल बनती है। हल्दी सिर्फ आपके शरीर पर ही काम नहीं करती,बल्कि यह आपकी ऊर्जा को भी प्रभावित करती है। यह शरीर, खून और ऊर्जा तंत्र की सफाई करती है।

हल्दी प्रयोग करने का तरीका

आधा किलो हल्दी पीसकर चार लीटर पानी में घोलकर उबालें और ठण्डा करके इसमें दो सौ ग्राम शहद मिला दें। इस मिश्रण को किसी शीशे के बर्तन में दो सप्ताह तक रखा रहने दें, अब इसको छानकर किसी साफ बोतल में भरकर रख दें। खाना खाने के बाद इस आसव को दस या पन्द्रह ग्राम की मात्रा में सेवन करें। इस आसव को पीने से रक्त साफ हो जाता है। शहद युक्त हल्के गुनगुने पानी के साथ नीम और हल्दी का सेवन एक शानदार तरीके से कोशिकीय स्तर पर सफाई कर उन्हें खोलने का काम करता है, जिससे वे अपने भीतर अच्छी तरह से ऊर्जा अवशोषित कर सकें। यह शरीर, खून और ऊर्जा तंत्र की सफाई करती है। बाहरी सफाई के लिए अपने नहाने के पानी में एक चुटकी हल्दी डालें और इस पानी से नहाएं। आप पाएंगे कि आपका शरीर दमकने लगेगा। दूध में हल्दी चूर्ण मिलाकर सुबह शाम लेना चाहिए। रोज के अपने खाने में हल्दी को शामिल करें। हल्दी विस्मयकारी गुणों से भरपूर है । परंतु कुछ लोगों पर इसके विपरीत प्रभाव पड सकते हैं। जिन लोगों को हल्दी से एलर्जी है उन्हें पेट में दर्द या डायरिया जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**